page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/3/2025 1:20 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 पुलिस ने यात्री बस सहित दो वाहन ज़ब्त कर 14 गोवंश को बचाया

5 भारतीय महिला हाकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों से दिया इस्तीफा

8 पालक अत्यंत पौष्टिक हरी पत्तेदार सब्जी

न्यूनतम 9 मौसम जम्मू अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-296 | जम्मू तवी, बुधवार 03 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की मज़बूती से जवाब देने की इच्छा का सबूत है: राजनाथ

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर को शांति और सद्भावना की भाषा न समझने वालों को करारा जवाब देने की भारत की ताकत का सबूत बताते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई की तुलना सरदार वल्लभभाई पटेल की लौह इच्छाशक्ति और लीडरशिप से की।

गुजरात के वडोदरा में सरदार सभा को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा, सरदार पटेल ने हमेशा बातचीत के ज़रिए समस्याओं को सुलझाने की कोशिश की, लेकिन ज़रूरत पड़ने पर हैदराबाद के भारत में विलय के मामले में कभी भी हिम्मत वाला रास्ता चुनने में हिचकिचाए नहीं। 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए सेना की हिम्मत और लगन की तारीफ़ करते हुए, सिंह ने कहा कि आज दुनिया भारतीय सैनिकों की बहादुरी और काबिलियत का लोहा मान रही है। इस ऑपरेशन ने यह साफ़ मैसेज दिया कि हम एक शांति पसंद देश हैं जो कभी किसी देश को नहीं उकसाता, लेकिन अगर उकसाया जाता है, तो बुरी नज़र डालने की कोशिश करने वालों को नहीं छोड़ता। रक्षा मंत्री ने सरदार पटेल को देश को एक करने

में अहम योगदान देने वाला बताया, और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का उनका सपना और मज़बूत हुआ है। आर्टिकल 370 हटाने का ज़िक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि इस फ़ैसले से जम्मू और कश्मीर देश की मेनस्ट्रीम में शामिल हो गया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सरकार सरदार पटेल के दिखाए रास्ते पर चल रही है, जिसकी वजह से, भारत, जो कभी शक से घिरा हुआ था, आज अपनी शर्तों पर दुनिया से बात कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले के उलट, अब दुनिया सुनती है कि भारत इंटरनेशनल प्लेटफ़ॉर्म पर क्या कहता है। उन्होंने कहा, भारत एक बड़ी आर्थिक और स्ट्रेटेजिक ताकत बनने की ओर बढ़ रहा है। यह सरदार पटेल के बहुत बड़े योगदान की वजह से है। सिंह ने कहा कि सरदार पटेल का पूरा जीवन पवित्रता और ईमानदारी की निशानी था, और इन ऊँचे आदर्शों से प्रेरित होकर, सरकार का लक्ष्य संसद में संविधान (130वां संशोधन) बिल 2025 पास कराना है, जिसके तहत ऊँचे पदों पर बैठे लोगों को भ्रष्टाचार के खिलाफ नैतिक रूप से पेश आना होगा। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि अगर किसी पद पर बैठे व्यक्ति को किसी गंभीर आरोप में गिरफ्तार किया जाता है और 30 दिनों के अंदर उसे ज़मानत नहीं मिलती है, तो वह अपने आप अपने पद से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने युवाओं से एक विकसित भारत के सपने को पूरा करने की कोशिश करने की अपील की, और कहा कि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता बनाए रखना एक ज़िम्मेदारी है जो सरदार पटेल ने देश की आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ी है। उन्होंने कहा, देश और समाज को एकजुट रखना हमारी ज़िम्मेदारी है।

"कहा कि आर्टिकल 370 हटाने से J&K देश की मुख्यधारा में शामिल हो गया

संविधान के तहत धर्म के आधार पर सीटें नहीं बांटी जा सकतीं : मुख्यमंत्री

राजौरी, 02 दिसंबर। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को श्री माता वैष्णोदेवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस (एसएमवीडीआईएमई) में मेरिट के आधार पर दाखिले का बचाव करते हुए कहा कि संविधान के तहत धर्म के आधार पर सीटें नहीं बांटी जा सकतीं।

अब्दुल्ला ने राजौरी में मीडिया से कहा कि जब विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज बनाने का फैसला लिया गया था तो यह पहले से ही पता था कि धर्म के आधार पर सीटें नहीं बांटी जा सकतीं। मंजूरी नीट के आधार पर दी गई थी। नीट का एकमात्र क्राइटेरिया मेरिट है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता जो श्रीनगर से पुंछ और राजौरी होते हुए जम्मू जा रहे थे ने कहा कि जिन लोगों ने नीट के ज़रिए दाखिला लिया है उन्हें अब उनके धर्म की वजह से सज़ा दी जा रही है। उन्होंने कहा न तो कानून और न ही संविधान इसकी इजाज़त देता है और न ही विश्वविद्यालय की नीति इस आधार पर दाखिला देने से मना करने की इजाज़त देती है।

अब्दुल्ला ने कॉलेज में दाखिले में धार्मिक

भेदभाव की कोशिशों की आलोचना की और कहा कि सिर्फ़ मेरिट ही सिलेक्शन तय करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आप धर्म के आधार पर सीटों का बंटवारा चाहते हैं, तो आपको ग्रांट-इन-एड और मुफ़्त में दी गई ज़मीन लेना बंद करना होगा, आपको दोनों के लिए पैसे देने होंगे। तभी आप यूनिवर्सिटी के नियमों को बदलकर एक धर्म के लिए सीटें रिज़र्व कर सकते हैं। हमें इस पर कोई एतराज़ नहीं होगा।

जम्मू में एक पत्रकार का घर गिराए जाने पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह मामला उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। उन्होंने कहा कि मैंने श्रीनगर में कहा था कि यह हमारे हाथ में नहीं है। जिन्होंने अफ़सर को नियुक्त किया है और जिन्होंने ऐसा कदम उठाया है, उनसे पूछा जाना चाहिए।

पीर पंजाल इलाके में सड़कों की हालत पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चल रहे कंस्ट्रक्शन की वजह से है। उन्होंने कहा कि सड़कों की हालत इसलिए खराब नहीं है कि काम नहीं चल रहा है, सड़कें इसलिए खराब हैं क्योंकि काम चल रहा है। सड़क चौड़ी करने, फोर-लेनिंग और टनल प्रोजेक्ट चल रहे हैं। जहां भी टनल का काम चल रहा है, वहां मौजूदा सड़कों का मेंटेनेंस किया जाना चाहिए।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने मुगल रोड से बफलियाज और पुंछ होते हुए श्रीनगर से राजौरी जाते समय सड़कों की हालत देखी थी। उन्होंने कहा कि मैं सुबह 6.30 बजे श्रीनगर से निकला और मुगल रोड से गया। मैंने सड़कों की हालत देखी है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सामने उठाएंगे क्योंकि सड़कें बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन के तहत आती हैं।

खबर संक्षेप

नाइट कोर के जीओसी व्हाइट ने नियंत्रण रेखा पर ऑपरेशनल तैयारियों का लिया जायजा

श्रीनगर, 02 दिसंबर। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) ने जीओसी ऐस ऑफ़ स्पेड्स डिवीज़न के साथ नियंत्रण रेखा पर मौजूदा ऑपरेशनल तैयारियों का जायज़ा लेने के लिए भीम्बर गली सेक्टर में आगे के इलाकों का दौरा किया।

सेना की व्हाइट नाइट कोर ने सोमवार को बताया कि सीनियर कमांडरों ने सुरक्षा हालात की समीक्षा की और बेहतर निगरानी और सटीक जुड़ाव क्षमता को पक्का करने के लिए किए गए उपायों का जायज़ा लिया। जीओसी ने नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों से बातचीत की। उन्हें उनकी तैयारी, चल रही ट्रेनिंग और निगरानी, सटीक काम और पूरी ऑपरेशनल क्षमता को बेहतर बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताया गया।

जीओसी ने भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए अलर्ट रहने, तैयारी को मज़बूत करने और ऑपरेशनल स्किल को लगातार बेहतर बनाने के महत्व पर ज़ोर दिया। जीओसी ने भीमबेर गली सेक्टर में एलओसी पर ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लिया।

पुलिस ने कुख्यात अपराधियों को पकड़ा, अवैध पिस्तौल, गोला-बारूद और धारदार हथियार बरामद

जम्मू, 2 दिसंबर। आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ जारी कार्रवाई में जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने दोमाना पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में अलग-अलग घटनाओं में दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से तीन देसी पिस्तौल, कारतूस और एक धारदार हथियार बरामद किया है। 28.11.2025 की मध्यरात्रि को एक अज्ञात व्यक्ति ने उदेवाला स्थित ग्रैंड रीव्स बैंक्वेट हॉल के अंदर गोलीबारी की जिससे उपस्थित लोगों में दहशत और अशांति फैल गई। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस स्टेशन दोमाना में धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत प्राथमिकी संख्या 250/2025 दर्ज की गई। इंस्पेक्टर वरुणेश्वर, एसएचओ दोमाना के नेतृत्व में एक समर्पित पुलिस दल ने आरोपी सन्नी शर्मा पुत्र बंसी लाल निवासी मढ़ को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी और बाद में हुए खुलासे के बाद पुलिस ने दो देसी पिस्तौल और कारतूस बरामद किए। वह पुलिस स्टेशन कनाचक के एक अन्य मामले में भी संलिप्त पाया गया। आगे की जाँच जारी है ताकि अन्य संबंधों का पता लगाया जा सके। सहयोगियों की पहचान की जा सके और हथियारों के स्रोत का पता लगाया जा सके।वहीं 29.11.2025 की मध्य रात्रि को पुलिस महानिरीक्षक पौनी चक, पुलिस उपनिरीक्षक अमरीक सिंह द्वारा भगवती नगर, पौनीचक में एक नाका जाँच चौकी स्थापित की गई और एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया जिसकी पहचान जसकीरत सिंह उर्फ सनम पुत्र इंद्रजीत सिंह निवासी गोल गुजराल कैंप, जम्मू के रूप में हुई।

मुख्यमंत्री उमर ने अहम कैबिनेट बैठक बुलाई, आरक्षण नीति में बड़े बदलाव की संभावना

जम्मू, 02 दिसंबर। आरक्षण नीति का एजेंडा सबसे ऊपर होने के साथ ही मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 3 दिसंबर को एक उच्च स्तरीय कैबिनेट बैठक बुलाई है जिसमें सरकार नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में ओपन मेरिट कोटा बढ़ाने सहित बड़े फैसले ले सकती है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बैठक सुबह 9 बजे सिविल सचिवालय जम्मू में होगी और सालाना दरबार मूव के बाद यह पहली औपचारिक कैबिनेट बैठक होगी। सूत्रों ने बताया कि आरक्षण में बदलाव एक अहम चर्चा का मुद्दा होगा क्योंकि सरकार कुछ कैटेगरी, खासकर पिछड़े इलाकों के निवासी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग में कोटा को सही करने के लिए आरक्षण नियमों में बदलाव करने की योजना बना रही है ताकि ओपन मेरिट शेयर में प्रस्तावित बढ़ोतरी को शामिल किया जा सके। दिशा निर्देशों के मुताबिक आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग में कोटा ज्यादा से ज्यादा 10 प्रतिशत है, अगर सरकार सही समझे तो इसमें बदलाव किया जा सकता है। आरबीए कोटा जो कभी 20 प्रतिशत तक था, उसे पहले ही घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है क्योंकि इस बात की चिंता है कि असरदार लोगों को ज्यादा फ़ायदा हुआ है। सूत्रों ने कहा सरकार को ओपन मेरिट को 40 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए एससी, एसटी और ओबीसी जैसी पार्लियामेंट द्वारा ज़रूरी कैटेगरी को छोड़कर अलग-अलग कैटेगरी से लगभग 10 प्रतिशत कम करने की ज़रूरत है। अभी जम्मू-कश्मीर में आरक्षण 70 परसेंट है। सबसे ज्यादा 20 प्रतिशत हिस्सा शेड्यूल्ड ट्राइब्स को जाता है (गुज्जर-बकरवाल और पहाड़ी एथनिक ट्राइब्स को 10-10 प्रतिशत), इसके बाद आरबीए और ईडब्ल्यूएस को 10-10 प्रतिशत, ओबीसी को आठ प्रतिशत, एससी को आठ प्रतिशत और एएलसी/आईबी निवासियों को चार प्रतिशत मिलता है।

एसआईआर के मुद्दे पर हंगामे के कारण लोकसभा में दूसरे दिन भी नहीं हुआ कामकाज

नयी दिल्ली, 02 दिसंबर। लोकसभा में मंगलवार को मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर चर्चा कराने की मांग पर विपक्ष के हंगामे के कारण कोई कामकाज नहीं हुआ और सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी।

दो बार स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। इस दौरान पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने कहा कि सदन चर्चा के लिए है जो भी मुद्दा है उस पर चर्चा करायी जायेगी और आपको इसमें हिस्सा लेने के लिए मौका भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश की जनता सदन की कार्यवाही को देख रही है। आप जिम्मेदार विपक्ष

है इसलिए अपने स्थान पर बैठें और सदन को चलाने में सहयोग करें। यह तरीका जनता पसंद नहीं करती है। आप लोग बार बार सुनियोजित तरीके से सदन को बाधित कर रहे हैं।

श्री सैकिया ने कहा कि एसआईआर के मुद्दे पर हंगामा किया जा रहा हैं जबकि बिहार में एसआईआर हुआ और आपने परिणाम देखा। बिहार की जनता ने एसआईआर का समर्थन किया है। पीठासीन अधिकारी के बार बार आग्रह करने के बावजूद विपक्षी सदस्यों का हंगामा नहीं रूका, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी।

इससे पहले एक बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही बारह बजे शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने एसआईआर के मुद्दे पर फिर शोरगुल शुरू कर दिया। पीठासीन पी सी मोहन ने हंगामे के दौरान ही जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाये।

इसी बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार चुनाव सुधारों समेत सभी मुद्दों पर नियमों के अनुसार चर्चा कराने के लिए तैयार है। वह विपक्षी दलों के नेताओं के संपर्क में हैं, उन्हें बातचीत के लिए बुलाया गया है। विपक्षी दलों के नेताओं से बातचीत करके इसका कोई रास्ता निकाला जायेगा इसलिए विपक्षी सदस्यों को अपने-अपने स्थान पर जाकर सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलने देने में सहयोग करना चाहिए।

सीबीआई को झटका, रुबैया अपहरण मामले में गिरफ्तार शफात अहमद शांगलू को कोर्ट ने किया रिहा

जम्मू, 02 दिसंबर। सीबीआई को एक बड़ा झटका देते हुए एक स्पेशल कोर्ट ने मंगलवार को शफात अहमद शांगलू को रिहा कर दिया, जिसे एजेंसी ने एक दिन पहले 1989 में तत्कालीन गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण के मामले में गिरफ्तार किया था।

कोर्ट ने 8 दिसंबर, 1989 को हुए अपहरण के बदले में पूछताछ के लिए शांगलू की सीबीआई कस्टडी देने से मना कर दिया। एजेंसी ने जम्मू की टाडा कोर्ट में 35 साल पुराने केस में एक दिन पहले गिरफ्तार शांगलू की कस्टडी मांगी थी। रुबैया का अपहरण करने के लिए प्रतिबंधित जम्मू एंड कश्मीर लिबरेशन फ्रंट की साज़िश का हिस्सा होने के आरोप में सीबीआई ने सोमवार को शंगलू को गिरफ्तार किया था, उसके सिर पर 10 लाख रुपये का इनाम था। शंगलू पर जेकेएलएफ चीफ यासीन मलिक का करीबी माना जाता है।

सीबीआई के वकील एस के भट ने स्पेशल टाडा कोर्ट में पेश करने के बाद इस आधार पर कस्टडी मांगी थी कि वह इतने सालों से फरार था। सीबीआई ने यह भी कहा कि शंगलू ने 1989 में रणबीर पीनल कोड और टाडा एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत अपराध करने में मलिक और दूसरों के साथ साज़िश रची थी। सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा कि भगोड़े पर 10 लाख रुपये का इनाम था और उसे कानून के मुताबिक तय समय के अंदर जम्मू में टाडा कोर्ट में पेश किया गया।

अधिकारियों के मुताबिक शंगलू कथित तौर पर जेकेएलएफ का होल्डिंग था और उसका फाइनेंस संभालता था। मलिक आतंकी मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में सज़ा काट रहा है। उसे गृह मंत्रालय के आदेश के कारण कोर्ट में फिजिकली पेश नहीं किया जा रहा है, क्योंकि उसके आने-जाने पर रोक है।

डुल्लू ने कश्मीर और जम्मू विश्व विद्यालय के संगीत और फाइन आर्ट्स इंस्टिट्यूट के आधुनिकीकरण पर ज़ोर दिया

जम्मू, 2 दिसंबर। अटल डुल्लू ने आज कश्मीर यूनिवर्सिटी और जम्मू यूनिवर्सिटी से जुड़े म्यूजिक और फाइनल आर्ट्स इंस्टिट्यूट के चल रहे विस्तार और बढ़ोतरी के प्लान का रिव्यू करने के लिए एक मीटिंग की अध्यक्षता की मीटिंग में हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ़ सेक्रेटरई दोनों यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर जम्मू के डिविज़नल और दूसरे सीनियर अधिकारी शामिल हुए। चीफ़ सेक्रेटरी ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं के आर्टिस्टिक और म्यूजिकल परफॉर्मेंस को निखारने और निखारने में इन इंस्टिट्यूट की अहम भूमिका पर ज़ोर दिया उन्होंने कहा कि दोनों इंस्टिट्यूट को आधुनिक तरीकों से मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ डेवलप किया जाना चाहिए ताकि एनरोल्ड स्टूडेंट्स के लिए एक अच्छा एकेडमिक माहौल पक्का हो सके। लॉन्ग-टर्म विजन की बात करते हुए चीफ सेक्रेटरी ने वाइस चांसलर को दोनों इंस्टिट्यूट के

परमानेंट एलिमेंट बनाने और भविष्य में विस्तार के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया उन्होंने मौजूदा बैचलर-लेवल प्रोग्राम का रिव्यू किया और यूनिवर्सिटीज़ को म्यूजिक और फाइन आर्ट्स के फील्ड में उभरती ज़रूरतों के हिसाब से पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम शामिल करने और कोर्स शुरू करने की सलाह दी। एकेडमिक एक्सीलेंस के महत्व पर ज़ोर देते हुए, चीफ़ सेक्रेटरी ने यूनिवर्सिटीज़ से यूजीसी के नियमों के हिसाब से ज़रूरी फैकल्टी अपग्रेड करने और यह पक्का करने की अपील की। वाइस चांसलर ने चीफ सेक्रेटरी को मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर, चल रहे कोर्स और स्टूडेंट इनटेक कैपेसिटी की मौजूदा स्थिति के बारे में बताया। उन्होंने कुछ दिक्कतों पर भी ज़ोर दिया खासकर इंडिपेंडेंट एलिमेंट बनाने के लिए सही ज़मीन न मिलने से जुड़ी समस्याओं को बताया। इस निहित को दूर करने के लिए चीफ सेक्रेटरी ने अपने-अपने डिवीजनल कमिश्नरों को जल्द से जल्द सही ज़मीन के हिस्सों की पहचान करने और उन्हें ट्रांसफर करने में यूनिवर्सिटीज़ को पूरा सपोर्ट देने का निर्देश दिया ताकि दोनों इंस्टिट्यूट के लिए समय पर परमानेंट एक्टिव बनाए जा सकें

दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए केवल किसानों का पराली जलाना जिम्मेदार नहीं: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली, 01 दिसंबर। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली में वायु प्रदूषण के संकट के लिए किसानों को अकेला जिम्मेदार ठहराने की बढ़ती प्रवृत्ति पर सवाल उठाया।न्यायालय ने कहा कि पराली जलाना कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान भी मौजूद था, जबकि राजधानी में उस समय असाधारण रूप से साफ आसमान देखा गया था।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण पर लंबे समय से लंबित एमसी मेहता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पराली जलाने के आसपास की कहानी को एक राजनीतिक मुद्दा या अहंकार का मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए। पीठ ने दोहराया कि दिल्ली की जहरीली हवा के कई स्रोत हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने प्रदूषण के प्राथमिक योगदानकर्ताओं की पहचान करने वाले वैज्ञानिक विश्लेषणों पर स्पष्टता की मांग की। उन्होंने कहा कि जहाँ पराली जलाने को लगातार उजागर किया जाता है, वहीं उन लोगों पर बोझ डालना गलत होगा जिनका न्यायालय में शायद ही कोई प्रतिनिधित्व हो। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान भी पराली जलाई गई थी। अब असली सवाल यह है कि उस समय साफ नीला आसमान क्यों दिखाई दे रहा था। न्यायालय ने कहा कि किसान अक्सर अपनी आजीविका की रक्षा के लिए पराली जलाते हैं और उन्हें अनुचित रूप से दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए।

वहीद-उर-रहमान पारा को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने देश के अंदर यात्रा करने की दी इजाज़त

श्रीनगर, 02 दिसंबर। चार साल बाद आतंकी साजिश के एक मामले में आरोपी पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता वहीद-उर-रहमान पारा को मंगलवार को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने देश के अंदर यात्रा करने की इजाज़त दे दी। पारा को मई 2022 में हाई कोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने 1 लाख रुपये के मुचलके पर ज़मानत दी थी जिसमें कहा गया था कि जब भी ज़रूरत हो जांच अधिकारी के सामने पेश हों, अपना पासपोर्ट सरेंडर करें और ट्रायल कोर्ट की पहले से इजाज़त के बिना केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर न छोड़ने के निर्देश दिए थे। पारा ने जम्मू-कश्मीर से बाहर यात्रा करने की शर्त में छूट देने के लिए एक अर्ज़ी दी थी। मंगलवार को जस्टिस विनोद चटर्जी कौल और संजीव कुमार की बेंच ने ट्रायल कोर्ट को बताने के बाद उन्हें देश के अंदर ट्रैवल करने की इजाज़त दे दी।हाई कोर्ट ने अपने दो पेज के आदेश में कहा कि पारा ट्रायल कोर्ट को अपनी लोकेशन और जाने का मकसद बताने के बाद जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश छोड़ने और देश के अंदर आने-जाने का हकदार होगा। एडवोकेट शारिक जे रेयाज ने कोर्ट के सामने कहा कि पारा एक विधायक हैं और उन्हें अपने ऑफिशियल और दूसरे कामों के सिलसिले में बार-बार केंद्र शासित प्रदेश से बाहर जाना पड़ता है और यह बेल कंडीशन उनके लिए बहुत मुश्किल और परेशानी पैदा कर रही है।

नेवी की लगातार मौजूदगी ने पाक फ्लीट को पोट्‌र्स के पास रोक दिया : नेवी चीफ

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उत्तरी अरब सागर में इंडियन नेवी की लगातार मौजूदगी ने पाकिस्तान के नेवी एसेट्स को अपने बेस के पास रहने पर मजबूर कर दिया, जिससे कई दिनों तक उनकी ऑपरेशनल मोबिलिटी काफी कम हो गई। नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए, एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, नेवी की फॉरवर्ड डिप्लॉयमेंट, जिसमें एक कैरियर बैटल ग्रुप की पोजिशनिंग शामिल थी, ने एक डिटरेंट इफेक्ट बनाया जिसने पाकिस्तान को खुले समुद्र में जाने से रोक दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऑपरेशन अभी भी एक्टिव है और इसलिए ऑपरेशनल डिटेल्स पब्लिकली नहीं बताई जा सकतीं। उन्होंने कहा, यह एक लगातार चलने वाला मिशन है और ऑपरेशनल डिटेल्स स्वाभाविक रूप से क्लासिफाइड हैं। हालांकि, यह पता है कि हमारी तुरंत प्रतिक्रिया और हमारे बनाए गए पोस्चर ने यह पक्का किया कि पाकिस्तानी नेवी अपने पोर्ट्स, एयर बेस और मकरान कोस्टलाइन तक ही सीमित रहे। उनके मुताबिक, यह तैनाती समुद्री ज़रूरतों को पूरा करने के लिए किए गए उपायों का हिस्सा थी, और नेवी किसी भी इमरजेंसी का जवाब देने के लिए तैयार थी। उन्होंने कहा, नेवी ने वही किया जो ज़रूरी था, और आगे जो भी कहा जाएगा, वह करने के लिए तैयार थी। एडमिरल त्रिपाठी ने आगे कहा कि ऑपरेशन का स्ट्रेटेजिक नतीजा सिर्फ़ नेवी को रोकने तक ही सीमित नहीं था। उन्होंने कहा कि उन शुरुआती दिनों की घटनाओं का पाकिस्तान की कमर्शियल समुद्री एक्टिविटी पर साफ़ असर पड़ा।

ऑपरेशन सिंदूर'

स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक है सिंगापुर

सुख, समृद्धि, संपन्नता, सफाई और सुगंध का पर्याय बन चुका सिंगापुर विश्व के श्रेष्ठ शहरों में से एक माना जाता है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख से ज्यादा सैलानी यहां घूमने-फिरने आते हैं। सिंगापुर धीरे-धीरे एक व्यावसायिक केन्द्र भी बनता जा रहा है। यहां पर विभिन्न देशों के लोग बस चुके हैं इनमें काफी भारतीय भी हैं। इसलिए यह आपको अपरिचित सा नहीं लगेगा।

अपने देश की तरह यहां न तो इधर-अधर केले का छिलका या पालिथीन का कोई थैला फेंकें और न ही किसी अन्य प्रकार से कोई गंदगी फैलाएं। जो व्यक्ति ऐसा करते हुए पाया जाता है उसे आर्थिक दंड तो दिया ही जाता है, ऐसा करते हुए टीवी पर भी दिखाया जाता है।

सिंगापुर घूमना चाहते हैं तो आइए सबसे पहले आपको लिए चलते हैं जूरोंग चिड़ियाघर। विश्व का शायद ही कोई ऐसा पक्षी होगा जिसे आप इस अति विस्तृत चिड़ियाघर में न देखें। यहां लगभग 7500 पक्षी हैं। इनमें से कई पक्षी ऐसे हैं जिनकी आप 8-10 प्रजातियां देख सकते हैं।

क्रोकोडायल फार्म में आप कई तरह के मगरमच्छ देख सकते हैं। यह फार्म जूरोंग चिड़ियाघर के पास ही स्थित है। नाइट सफारी भी एक चिड़ियाघर ही है। जो 45 हेक्टेयर में फैला हुआ है। जानवरों की प्रकृति के अनुरूप 8 भागों में बंटा यह चिड़ियाघर अपने नाम को सार्थक करता हुआ सिर्फ रात में ही खुला रहता है। इस चिड़ियाघर के अंदर घूमने के लिए ट्राम की सुविधा उपलब्ध रहती है। साथ ही साथ गाइड भी उपलब्ध रहता है जो विश्व के विभिन्न भागों से लाए गए तरह-तरह के इन जानवरों के बारे में जानकारियां देता रहता है।

मिंग विलेज भी देखने लायक जगह है। ज्यों-ज्यों मानव समाज आधुनिकता की तरफबढ़ रहा है, त्यों-त्यों ग्रामीण परिवेश और हस्तशिल्प की ओर उसका रुझान भी बढ़ रहा है। क्रोकोडायल फार्म के पास स्थित इस स्थान पर ऐसा ही ग्रामीण परिवेश है और ऐसे ही हस्तशिल्पी भी यहां हैं। ये लोग न सिर्फ अपने हाथों से चीजें बनाते हैं, बल्कि चीनी-मिट्टी के बर्तन वगैरह पर नक्काशी भी करते हैं।

सैंतोसा आइलैण्ड भी जरूर घूमने जाएं। यह सिंगापुर से कुछ दूरी पर स्थित एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। हालांकि यहां प्रवेश शुल्क देना पड़ता है लेकिन इसके अलावा कोई अन्य सेवा शुल्क नहीं लिया जाता। यहां का समुद्र तट काफी सुंदर और स्वच्छ है।

यहां का प्रसिद्ध अंडर वाटर वर्ल्ड एशिया का पहला और सबसे बड़ा कृत्रिम समुद्र है। यहां पर आपको सैंकड़ों तरह की मछलियां दिखेंगी, जिनमें सी ड्रैगन नामक एक मछली भी है। ये सारी मछलियां विश्व के अलग-अलग भागों से यहां लाई गई हैं। वोल्कैनोलैण्ड और तितलीघर भी देखने लायक जगह हैं।

किसी भी मौसम में जाएं लुभाता है रानीखेत

यदि आप प्रकृति के सभी अद्भूत नजारों का एक ही स्थान पर आनंद उठाना चाहते हैं तो ;चाहे गर्मी में जाए चाहे बरसात में छुट्टियां बिताने के लिए रानीखेत सबसे बेहतर विकल्प है। यहां दूर-दूर तक रजत मंडित सदृश हिमाच्छादित गगनचुंबी पर्वत, सुंदर घाटियां, चीड़ और देवदार के ऊंचे-ऊंचे पेड़, घना जंगल, फलों लताओं से ढके संकरे रास्ते, टेढ़ी-मेढ़ी जलधारा, सुंदर वास्तु कला वाले प्राचीन मंदिर, ऊंची उड़ान भर रहे तरह-तरह के पक्षी.....और शहरी कोलाहल तथा प्रदूषण से दूर ग्रामीण परिवेश का अद्भुत सौंदर्य आकर्षण का केन्द्र है।

मनोरम पर्वतीय स्थल रानीखेत समुद्र-तल से 1830 मीटर की ऊंचाई पर लगभग 25 वर्ग किलोमीटर में फैला है। कुमाऊं क्षेत्र में पड़ने वाले इस स्थान से लगभग 400 किलोमीटर लंबी हिमाच्छादित पर्वत-श्रृंखला का ज्यादातर भाग दिखता हैं। इन पर्वतों की चोटियां सुबह-दोपहर-शाम अलग-अलग रंग की मालूम पड़ती हैं।

इस पूरे क्षेत्र की मोहक सुंदरता का अनुमान कभी नीदरलैण्ड के राजदूत रहे वान पैलेन्ट के इस कथन से लगाया जा सकता है।'' जिसने रानीखेत को नहीं देखा, उसने भारत को नहीं देखा।'' कहा जाता है कि सैकड़ों वर्ष पहले कोई रानी अपनी यात्रा पर निकली हुई थीं। इस क्षेत्र से गुजरते समय वह यहां के प्राकृतिक सौंदर्य से मोहित होकर रात्रि-विश्राम के लिए रुकीं। बाद में उन्हें यह स्थान इतना अच्छा लगा कि उन्होंने यहीं पर अपना स्थायी निवास बना लिया।

चूंकि तब इस स्थान पर छोटे-छोटे खेत थे, इसलिए इस स्थान का नाम 'रानीखेत' पड़ गया। अंग्रेजों के शासनकाल में सैनिकों की छावनी के लिए इस क्षेत्र का विकास किया गया। क्योंकि रानीखेत कुमाऊं रेजिमेन्ट का मुख्यालय है, इसलिए यह पूरा क्षेत्र काफी साफ-सुथरा रहता हैं। यहां का बाजार तो अद्भुत है। पहाड़ के उतार (यानी खड़ी चढ़ाई) पर बना हुआ। इसलिए इसे 'खड़ा बाजार' कहा जाता हैं।

घूमने के लिए सही समय

रानीखेत जाने व घूमने के लिए वैसे ठंड और बरसात का समय ठीक नहीं रहता। फिर यहाँ बरसात में प्राकृतिक छटा देखने लायक होती है। अत: बेहतर होगा कि आप वहां अप्रैल के प्रारंभ से जून के मध्य या सितंबर के मध्य से नवंबर के मध्य तक के समय में ही जाएं।

अगर आप हवाई जहाज से जाना चाहते हैं, तो पंतनगर के हवाई अड्डे पर उतरना पड़ेगा, क्योंकि यहां का भी निकटतम हवाई अड्डा वही हैं। वहां से रानीखेत की 119 किलोमीटर की दूरी टैक्सी वगैरह से तय करनी पड़ेगी। अगर आप रेलगाड़ी से यात्रा करना चाहते हैं, तो काठगोदाम स्टेशन तक जा सकते हैं, क्योंकि रानीखेत का निकटतम रेलवे स्टेशन वही हैं। वहां से रानीखेत की 84 किलोमीटर की दूरी परिवहन निगम की बस या टैक्सी से तय की जा सकती हैं।

दर्शनीय स्थल

उपत : रानीखेत में शहर से 5 किलोमीटर दूर (अल्मोड़ा जाने वाले रास्ते में) चीड़ के घने जंगल के बीच (6000 फुट की ऊंचाई पर) उपत नामक स्थान पर एक विश्वप्रसिध्द गोल्फ मैदान है। यहां प्राय: फिल्मों की शूटिंग होती रहती हैं। कोमल हरी घास का यह सुंदर मैदान नौ छेदों वाला हैं। ऐसा मैदान बहुत कम देखने को मिलता है। यहां खिलाड़ियों के रहने के लिए एक सुंदर बंगला बना हुआ है, जहां से दूर तक फैले हिमाच्छादित पवर्ज़्तों को देखना बहुत ही अच्छा लगता हैं।

हेड़ाखान मंदिर : अल्मोड़ा से 6 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान 'चिलियानौला' के नाम से भी जाना जाता हैं। अपनी प्राकृतिक सुषमा के कारण यह स्थान पिकनिक और ट्रैकिंग के लिए काफी उपयुक्त है। फूलों के सुंदर बाग के कारण यहां की रमणीयता और बढ़ जाती हैं। यहां पर साधु हेड़ाखान का मंदिर भी हैं।

हरबेरियम : प्रसिध्द वनस्पति-शास्त्री राम जी लाल द्वारा स्थापित इस हरबेरियम (वनस्पति संग्रहायल) में तरह-तरह की वनस्पतियों व जड़ी-बूटियों का अद्भुत संग्रह प्रदर्शनार्थ रखा गया हैं। पूरे भारत में यह अपनी तरह का एक अलग हरबेरियम हैं। चौबटिया- रानीखेत से 10 किलोमीटर दूर इस स्थान पर एशिया का सबसे बड़ा फलों का बगीचा हैं। यहां दर्जनों तरह के फलों के पेड़ हैं, जिन्हें देखकर पर्यटक गद्द हो उठते हैं। यहां सरकार द्वारा स्थापित विशाल फल संरक्षण केंद्र भी देखने लायक हैं। यह स्थान एक सुंदर पिकनिक स्थल भी हैं। इसके पास ही अगल-बगल तीन जल-स्त्रोत भी हैं, जो इस पूरे स्थान के प्राकृतिक वैभव को और अधिक बढ़ा देते हैं।

शीलतखेत : रानीखेत से 35 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान अब एक अच्छे पर्यटन-स्थल के रूप में विकसित हो रहा हैं। यहां से हिमाच्छादित के सुंदर दृश्यों को देखना बहुत ही अच्छा लगता हैं। ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां से नीचे का नजारा अत्यंत लुभावना दिखता हैं।

कसौली ये वादियां ये फिजाएं

कसौली यानी हिमाचल प्रदेश का ऐसा हिल स्टेशन, जो अपनी खुशनुमा आबोहवा के लिए दुनिया भर में लोकप्रिय है। प्रसिद्ध हिल स्टेशन शिमला से भी अधिक ऊंचाई (3,647 मीटर) पर स्थित कसौली शिमला वाली भीड़ से तो दूर है ही, पल-पल में बदलने वाली यहां की हवा इसे और खास बना देती है। अपनी खूबियों के लिए टाइम मैगजीन में भी एशिया के सर्वश्रेष्ठ हिल स्टेशन का दर्जा पा लेने वाले कसौली है।

यहां देखते-देखते हवा बदलने लगती है और बादलों का समूह पलभर में ही धूप के नीचे छाकर बरस पड़ती बारिश । दूसरे ही पल मौसम साफऔर चारों तरफसे तन-मन को रोमांचित करने वाली खुशनुमा हवा छूने लगती है। चाहे आप यहां के मंकी प्वाइंट पर हों या क्राइस्ट चर्च के बाहर, बस अड्डे पर हों या माल रोड पर, हनुमान मंदिर में हों या साईं बाबा मंदिर में, हर जगह पल भर में मन को तारोताजा कर देने वाली मनमोहक हवा आपको रोमांच से भर देगी। बल्कि यूं कहें कि कसौली पहुंचने से दो-तीन किलोमीटर पहले से आपको कसौली के क्षेत्र में प्रवेश करने का अहसास हो जाएगा। जी हां, ऐसा है हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित हिल स्टेशन कसौली का जादू। यूं तो यहां लोग साल भर आते रहते हैं, लेकिन अप्रैल से जून और सितम्बर से नवम्बर के बीच यहां अधिक पर्यटक आते हैं। इस बीच कसौली के मौसम के अनेक रंग देखने को मिल जाते हैं। कभी थोड़ी धूप, कभी थोड़े बादल और कभी हल्की-हल्की बारिश की बूंदें। यहां के पेड़-पौधों पर इस मौसम का जो रंग चढ़ता है, उसे फूल-पत्तों पर महसूस किया जा सकता है। बर्फ का आनन्द उठाने की चाह रखने वाले पर्यटकों को यहां दिसम्बर से फरवरी के बीच होने वाली ओस जैसी बर्फकी बारिश खूब गुदगुदाती है। लेखक-कलाकार को तो यहां बारिश का मौसम (जुलाई-अगस्त) और भी ऊंची उड़ानें भरने के लिए प्रेरित करता है।

कसौली के नाम के बारे में कई कहानियां हैं। इसके लिए हमें 17वीं शताब्दी में जाना पड़ता है। कहा जाता है कि रेवाड़ी के कुछ राजपूत परिवार हिमालय की तलहटी में बसे कसुल नामक छोटे-से गांव में आ बसे थे। बाद में यही गांव समय के साथ कसौली के रूप में स्थापित हो गया। दूसरी कहानी के अनुसार, जाबली के पास कौसल्या नामक एक पहाड़ी जलधारा है। इस कारण इस जगह का नाम कसौली पड़ा। इस जगह के नाम के चाहे जितने किस्से हों, लेकिन विशेषताओं की चर्चा एक ही है और वह है एक बेहद आकर्षक हिल स्टेशन, जहां बीमारी के बाद लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए जाते हैं और जहां की हवा रचनात्मक लोगों को रचना कर्म के लिए प्रेरित करती रहती है। शायद यही वजह थी कि अंग्रेजों ने इसे हिल स्टेशन के रूप में व्यवस्थित रूप से विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी।

यहां आने वाले पर्यटकों में यहां की कुछ प्रमुख जगहें आकर्षण का केन्द्र बनी रहती हैं। इनमें कसौली की सबसे ऊंची जगह मंकी प्वाइंट, मंकी प्वाइंट पर बना हनुमान मंदिर, कसौली के कोलोनियल आर्किटेक्ट की मिसाल क्राइस्ट बैप्टिस्ट चर्च, बाबा बालक नाथ मंदिर, शिरडी साईं बाबा मंदिर, एयरफोर्स गार्ड स्टेशन, एशिया का सबसे ऊंचा टीवी टावर और नजदीक ही सनावर स्थित लॉरेंस स्कूल, पाइनग्रोव स्कूल, सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल जैसे प्राचीन स्कूल हैं, जो 100 साल से भी अधिक पुराने हैं। मंकी प्वाइंट यहां की सर्वाधिक लोकप्रिय जगह है। कहते हैं कि भगवान हनुमान ने लक्ष्मण की जान बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाने जाते वक्त छलांग के पूर्व कसौली के इस प्वाइंट पर कदम रखे थे। कसौली के सबसे ऊंचे इस प्वाइंट पर हनुमान मंदिर भी है, जहां श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रहती है। मनोरम दृश्यों के दीवानों को यहां से कसौली की वादियों का नजारा देख कर रोमांचित होते खूब देखा जा सकता है।

यहां अंग्रेजों द्वारा 1880 में स्थापित कसौली क्लब भी अपने आप में एक देखने की जगह है। देश के नामचीन क्लबों में शामिल इस क्लब की सदस्यता के लिए 20 सालों की वेटिंग चलती है।

कैसे पहुंचें

वायु मार्ग : कसौली का नजदीकी हवाई अड्डा चंडीगढ़ में है, जो कसौली से 65 किलोमीटर है। दिल्ली से चंडीगढ़ के लिए दिन भर में अनेक उड़ानें हैं। इंडियन एयरलाइन्स, किंगफिशर, जेट एयर, जेट लाइट की उड़ानें प्रतिदिन हैं।

रेल मार्ग : दिल्ली से कालका के लिए दिनभर में पांच गाड़ियां हैं। हिमालयन क्वीन, कालका शताब्दी, पश्चिम एक्सप्रेस और हावड़ा-दिल्ली-कालका मेल से आप कालका तक पहुंच सकते हैं। उसके आगे कालका से शिमला लाइन पर आप धर्मपुर स्टेशन तक ट्रेन से जा सकते हैं। चाहे कालका शिमला पैसेंजर लें या कालका शिमला एक्सप्रेस या अन्य गाड्यिां, पहाड्यिों की खूबसूरती का नजारा करते हुए आप लगभग डेढ़ घंटे में (लगभग 33 किलोमीटर) धमज़्पुर पहुंच जाएंगे। वहां से हिमाचल रोडवेज की बस या टैक्सी लेकर कसौली तक की 12 किलोमीटर की दूरी तय कर सकते हैं।

सड़क मार्ग: दिल्ली से कसौली की दूरी 264 किलोमीटर है। चंडीगढ़ और कालका से यह क्रमश: 67 व 35 किलोमीटर है। दिल्ली से कश्मीरी गेट बस अड्डे से हिमाचल रोडवेज की बस लेकर धर्मपुर तक पहुंच सकते हैं। वहां से लोकल बस और टैक्सियां मिल जाएंगी। चंडीगढ़ से भी नियमित बसें हैं।

कहां ठहरें

कसौली की लोकप्रियता को देखते हुए यहां ठहरने की बेहतर व्यवस्था का अंदाजा लगा सकते हैं। यहां दर्जनों अच्छे होटल, रिजॉर्ट, गेस्ट हाउस हैं। हिमाचल टूरिज्म का भी एक हेरिटेज होटल है, जिसका नाम है द रोज कॉमन। यहां डीबीआर (डबल बेडरूम) डीलक्स का चार्ज 2200 रुपए है, जबकि डीबीआर कोजी डीलक्स का 2500 व कसौली सूइट्स का चार्ज 3500 रुपए है। यहां चार बिस्तरों वाले भी दो कमरे हैं, जिनका किराया प्रति कमरा 2000 रुपए है। सीजन में बुकिंग कम-से-कम एक महीना पहले करानी चाहिए। इसके अलावा होटल शिवालिक, होटल आंचल, होटल ब्रॉडवे, सूर्य रॉक रोज रिजॉर्ट, बैकुंठ रिजॉर्ट, द ब्लिस रिजॉर्ट, बर्डस व्यू रिजॉर्ट, हेमकुंठ रिजॉर्ट, ब्लॉसम रिजॉर्ट, कसौली कैसल रिजॉर्ट, कसौली रीजेंसी आदि प्रमुख हैं। यहां अनेक होम स्टे भी हैं, जहां सस्ते कमरे मिल जाते हैं। कसौली और उसके आसपास ही एक दर्जन से अधिक होम स्टे हैं, जो हिमाचल टूरिज्म द्वारा पंजीकृत हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरुद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 14 जिला अस्पतालों के आधुनिकीकरण को दी मंजूरी

लखनऊ, 2 दिसंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके लिए प्रदेश के 14 सरकारी अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा उपकरण स्थापित करने के लिए 9.80 करोड़ रुपये की राशि को स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस पहल का विशेष फोकस उन जिलों पर है, जहां आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं, डॉयग्नोस्टिक उपकरणों की उपलब्धता कम है। इस पहल का विशेष लाभ ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्रों के मरीजों को मिलेगा, जिससे उन्हें अपने ही जिले में सस्ता, आधुनिक और त्वरित इलाज मिल सकेगा। साथ ही इस प्रयास से बड़े शहरों के सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों पर मरीजों का दबाव भी कम होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विशेषतौर पर प्रदेश के उन 14 जिलों, जहां आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है, में आधुनिक उपकरणों की खरीद और स्वास्थ्य सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए 9.8 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। स्वीकृत राशि में से 2.70 करोड़ रुपये का रामसागर मिश्र संयुक्त चिकित्सालय, साढ़ामऊ बीकेटी को, 1.52 करोड़ रुपये जिला महिला चिकित्सालय, बलरामपुर, 1.56 करोड़ रुपये जिला चिकित्सालय रायबरेली, 1.16 करोड़ रुपये जिला संयुक्त चिकित्सालय महाराजगंज को आवंटित किये गये हैं। तो वहीं जिला संयुक्त चिकित्सालय, बागपत को 28.55 लाख, दीवान शत्रुघ्न सिंह संयुक्त चिकित्सालय, हमीरपुर को 3.35 लाख, महिला चिकित्सालय हरैया, बस्ती को 8.68 लाख एवं डॉ. भीमराव आंबेडकर संयुक्त जिला चिकित्सालय, इटावा के लिए 38.96 लाख रुपये स्वीकृत किये गये हैं। ये धन राशि विशेष रूप से स्वास्थ्य संबंधित उपकरणों, अत्याधुनिक जांच मशीनों और जरूरी स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास में खर्च किये जाएगें।

क्राइम ब्रांच कश्मीर ने 38 लाख रुपये के गैस एजेंसी फ्रॉड मामले में चार्जशीट फाइल की

श्रीनगर, 02 दिसंबर (हि.स.)। क्राइम ब्रांच की आर्थिक अपराध शाखा ने बडगाम के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में 38 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में चार्जशीट दाखिल की है जिससे एक बड़े गैस एजेंसी फ्रॉड का सफलतापूर्वक पर्दाफाश हुआ है।

एक बयान में सीबीके के एक प्रवक्ता ने कहा कि आर्थिक अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच कश्मीर) ने केस एफआईआर नंबर 21/2022 में सेक्शन 420, 421, 467, 468, और 120-बी आरपीसी के तहत ज़ाहिद बशीर शागू पुत्र बशीर अहमद शागू निवासी कोकर बाजार श्रीनगर जो अभी हाउस नंबर 2, इंद्राबी कॉलोनी नरबल,जिला बडगाम में रहते हैं और शुगुफ्ता पत्नी ज़ाहिद बशीर शागू, निवासी कोकर बाजार श्रीनगर जो अभी हाउस नंबर 2, इंद्राबी कॉलोनी, नरबल जिला बडगाम में रहते हैं के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट बडगाम के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की माननीय कोर्ट में जमा कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि यह मामला एक लिखी हुई शिकायत से शुरू हुआ था जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी ज़ाहिद बशीर शागू ने धोखे से गैस एजेंसी खोलने के लिए लाइसेंस दिलाने का वादा किया था जिसके लिए शिकायत करने वाले ने 38 लाख का पेमेंट किया था। यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने बाद में असली लाइसेंस होने का दावा करते हुए जाली डॉक्यूमेंट दिए। इसलिए क्राइम ब्रांच कश्मीर ने एक शुरुआती वेरिफिकेशन शुरू किया।

नटरंग ने प्रस्तुत किया 'स्वच्छ भारत का सपना', शहरवासियों को दी स्वच्छता की प्रेरक सीख

जम्मू, 2 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू नगर निगम की 'वॉल ऑफ शेम' पहल के तहत नटरंग ने अभिनव थिएटर परिसर के बाहर 'स्वच्छ भारत का सपना' नामक एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया। नीरज कांत के निर्देशन में तैयार यह स्ट्रीट प्ले नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता जगाने और अव्यवस्थित कचरा निस्तारण के दुष्परिणामों को उजागर करने के उद्देश्य से किया गया।

नाटक की कथा स्वच्छता, जिम्मेदार कचरा प्रबंधन तथा रीड्यूस, रियूज़ और रीसायकल के सिद्धांतों के महत्व पर आधारित है। आरंभ में व्यस्त सड़क पर लोग बेपरवाही से कचरा फेंकते दिखते हैं। पप्पू केले का छिलका सड़क पर फेंक देता है, जिस पर एक बुजुर्ग उसे समझाते हैं कि सड़क सभी की है, लेकिन वह उनकी बात अनसुनी कर देता है। मनोज आता है, छिलके पर फिसलते-फिसलते बचता है और फिर उसे डस्टबिन में डालकर लोगों की आदतों पर सवाल उठाता है। कथावाचक इस व्यवहार को खतरनाक और गैर-जिम्मेदार बताते हुए जागरूकता का संदेश देता है।

दूसरे दृश्य में पप्पू गंदे डिस्पोज़ेबल प्लेट्स जमीन पर फेंक देता है। बुजुर्ग और मनोज उसे गंदगी और बीमारियों के खतरे समझाते हैं। पास खड़ा एक बच्चा कचरे की बदबू से खांसने लगता है, जिससे पप्पू अपनी गलतियों पर विचार करने लगता है। कुछ दिनों बाद उसका व्यवहार बदलता है और डस्टबिन न मिलने पर वह कचरे को अपनी थैली में रख लेता है और गंदगी फैलाने से बचता है। सभी उसके इस सकारात्मक बदलाव की सराहना करते हैं।

नाटक आगे बढ़ता है और शहर के दूसरे हिस्से में प्लास्टिक कचरे के ढेर दिखाए जाते हैं। मोहन प्लास्टिक की बोतल सड़क पर फेंक देता है।

किरायेदार सत्यापन आदेश का उल्लंघन करने पर मकान मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

जम्मू, 2 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू पुलिस दक्षिण क्षेत्र ने अनिवार्य किरायेदार सत्यापन न कराने पर एक मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस स्टेशन बहू फोर्ट को सूचना मिली थी की एक मकान मालिक ने अपने में किरायेदारों को बिना उनका अनिवार्य पुलिस सत्यापन कराए ही ठहराया था यह कृत्य जिला मजिस्ट्रेट जम्मू द्वारा जारी निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है जिसके अनुसार सभी मकान मालिकों को अपने किरायेदारों को रहने की अनुमति देने से पहले संबंधित पुलिस स्टेशन में उनका सत्यापन कराना अनिवार्य है। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि आरोपी विपेन गुप्ता पुत्र स्वर्गीय वेद प्रकाश गुप्ता निवासी मकान संख्या 8 जगन्नाथ एन्क्लेव, त्रिकुटा नगर, जिला जम्मू निवासी ने अपनी संपति यानी पेइंग गेस्ट मेसर्स गुरुजी होम लेन नंबर 2 मकान नंबर 242, आदर्श कॉलोनी त्रिकुटा नगर, को पुलिस स्टेशन में सत्यापन विवरण प्रस्तुत किए बिना कई किरायेदारों को किराए पर दे दिए तदनुसार भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत बाहु फोर्ट पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है मामले की आगे की जाँच जारी है

हीरानगर क्षेत्र में अवैध खनन में लिप्त 05 वाहन जब्त

कठुआ, 02 दिसंबर (हि.स.)। अवैध खनन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के नेतृत्व में कठुआ पुलिस ने हीरानगर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में कुल पाँच वाहन जब्त किए हैं, जिनका इस्तेमाल निर्माण सामग्री के अवैध खनन परिवहन के लिए किया जा रहा था।

जानकारी के अनुसार एसएचओ थाना हीरानगर आशीष शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए कुल 05 वाहन संख्या जेके08क्यू-9245, जेके21जी-8585 और जेके21जी-5151 और 02 ट्रैक्टर ट्रॉली जेके08पी-2698 और जेके08एल-5233 जब्त किए हैं जिनका उपयोग क्षेत्र में निर्माण सामग्री (रेत और बजरी) के अवैध परिवहन खनन के लिए किया जा रहा था। उपर्युक्त वाहनों को जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ द्वारा जब्त कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूविज्ञान और खनन विभाग कठुआ को सौंप दिया गया है।

सिविक एक्शन प्रोग्राम (सीएपी) के तहत वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

रामबन, 2 दिसंबर (हि.स.)। जिला पुलिस रामबन ने खेलों में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने समुदाय-पुलिस संबंधों को मजबूत करने और जिले के युवाओं के बीच अनुशासित, नशा मुक्त जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के लिए सिविक एक्शन प्रोग्राम (सीएपी) के तहत वॉलीबॉल टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया। टूर्नामेंट के लीग मैच पहले रामबन में उप-मंडल स्तर पर आयोजित किए गए थे। क्वार्टरफ़ाइनल और सेमीफ़ाइनल मैच कल जिला पुलिस लाइन्स (डीपीएल) रामबन में खेले गए जिसमें आठ योग्य टीमें शामिल थीं जिन्होंने उच्च स्तर के उत्साह, कौशल और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। आज, फाइनल मैच गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल (जीएचएसएस) रामबन में खेला गया जिसमें खेल प्रेमियों, स्थानीय लोगों और छात्रों की प्रभावशाली भीड़ उमड़ी। अंतिम कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त (एसीआर) रामबन मुख्य अतिथि के रूप में और प्रिंसिपल, जीएचएसएस रामबन, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

साइलेंट हेरिटेज, कला प्रदर्शनी में अभिमुक्तेश्वर मंदिर की विरासत को नए स्वर मिले

जम्मू,, 2 दिसंबर (हि.स.)। पुरमंडल के उत्तरबहनी स्थित प्राचीन श्री अभिमुक्तेश्वर जी शिव मंदिर परिसर में 'साइलेंट हेरिटेज, स्पीकिंग फेसेज़' शीर्षक से एक प्रभावशाली कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी को प्रसिद्ध मूर्तिकार रविंदर जम्वाल ने प्रस्तुत किया जिसका उद्देश्य मंदिर की ऐतिहासिक वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत को नए स्वर में उजागर करना था। 300 वर्ष पुराने मंदिर के अवशेषों और अनूठी बनावट से प्रेरित होकर कलाकार ने समाचार-पत्र, चार्ट पेपर, रंगों और दैनिक उपयोग की सामान्य वस्तुओं के माध्यम से कलात्मक चित्रों की प्रस्तुति दी, जो अतीत और वर्तमान के बीच एक भावनात्मक सेतु बनाती हैं।

डायरेक्टर एग्रीकल्चर कश्मीर ने लालमंडी में दो दिन के कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का उद्घाटन किया

श्रीनगर, 02 दिसंबर। डायरेक्टर एग्रीकल्चर कश्मीर, सरताज अहमद शाह ने आज एग्रीकल्चर कॉम्प्लेक्स लालमंडी श्रीनगर में ऑयल सीड में यील्ड पोटेंशियल को समझने के लिए यील्ड की मुश्किलों को दूर करें, खासकर रेपसीड के रेफरेंस में विषय पर दो दिन के कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का उद्घाटन किया।

यह वर्कशॉप स्थ्रस्‍थ्र-च ने एग्रीकल्चर और किसान कल्याण डिपार्टमेंट कश्मीर के साथ मिलकर होलिस्टिक एग्रीकल्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम, प्रोजेक्ट नंबर 11 प्रमोशन ऑफ ऑइलसीड्स के तहत आयोजित की है।

इस मौके पर बोलते हुए, डायरेक्टर ने कहा कि ऐसी वर्कशॉप का मुख्य मकसद कश्मीर डिवीज़न के अलग-अलग जिलों के संबंधित अधिकारियों को ट्रेनिंग देना है ताकि प्रमोशन ऑफ ऑइलसीड्स प्रोजेक्ट को जमीनी स्तर पर अच्छे से और सफलतापूर्वक लागू किया जा सके। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को इलाके के अलग-अलग इलाकों में ऑइलसीड फसलों की क्षमता को पहचानने और तलाशने के लिए समाधान, आसान तरीके और स्ट्रेटेजी तैयार करने के बारे में बताया जाता है।

शाह ने मनचाहा असर पाने के लिए ऐसी वर्कशॉप की अहमियत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रोग्राम अधिकारियों को ऑयलसीड प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने के लिए ज़रूरी जानकारी और जानकारी देने के लिए बनाया गया है।

यह वर्कशॉप अलग-अलग ज़िलों के संबंधित अधिकारियों को इस प्रोजेक्ट के लक्ष्यों में असरदार तरीके से योगदान देने के लिए मज़बूत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

पुलिस ने यात्री बस सहित दो वाहन ज़ब्त कर 14 गोवंश को बचाया

जम्मू,, 2 दिसंबर (हि.स.)। सांबा पुलिस ने गो-तस्करी के एक नए तरीके का पर्दाफाश करते हुए दो अलग-अलग प्रयासों को नाकाम कर दिया। पुलिस ने एक यात्री बस और एक टाटा-407 वाहन से कुल 14 मवेशियों को बरामद कर सुरक्षित स्थान पर भेज दिया। पहली कार्रवाई में पुलिस थाना घगवाल की टीम ने एफसीआई चैक सुवांधा जटवाल के पास एक यात्री बस को रोका। तलाशी के दौरान बस के अंदर छह गायें क्रूर तरीके से ठूंसी हुई पाई गईं। पुलिस ने सभी को बचा लिया और तस्करी में इस्तेमाल बस को जब्त कर लिया। पुलिस के लगातार दबाव के कारण अब तस्कर यात्री बसों का उपयोग कर नए तरीके अपना रहे हैं। दूसरी घटना में पुलिस टीम ने टापयाल नाका पर टाटा-407 को रुकने का संकेत दिया लेकिन चालक ने बैरिकेड्स को टक्कर मारकर फरार होने की कोशिश की। सतर्क पुलिसकर्मियों ने पीछा कर वाहन को जटवाल के पास रोका। जांच में आठ मवेशी अवैध रूप से ले जाए जाते पाए गए। दोनों मामलों में पुलिस थाना घगवाल में संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

नाका जांच के दौरान बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामान किया बरामद

पुलवामा, 02 दिसंबर (हि.स.)। नशा तस्करी के खिलाफ अपनी लगातार कोशिश में पुलवामा पुलिस ने पुल के पास कोइल पुलवामा में एक नाका जांच अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामान बरामद किया। इस दौरान पुलिस ने एक नशा तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि पुलिस स्टेशन पुलवामा की एक पुलिस टीम ने एक संदिग्ध को रोका और उसके पास से 1.190 किलोग्राम चरस पाउडर जैसा पदार्थ बरामद किया। पुलिस ने आरोपी की पहचान तारिक अहमद राथर के बेटे मोहम्मद साबिर राथर के रूप में की है जो लाजूरा पुलवामा का रहने वाला है। पुलिस ने बरामद प्रतिबंधित सामान अपने कब्जे में लेकर नशा तस्कर को गिरफ्तार कर लिया।

जीडीसी कठुआ ने संगोष्ठी पोस्टर प्रदर्शनी और जागरूकता रैली का आयोजन कर विश्व एड्स दिवस मनाया

कठुआ, 02 दिसंबर (हि.स.)। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कठुआ के रेड रिबन क्लब ने जम्मू-कश्मीर एड्स नियंत्रण सोसाइटी के सहयोग से विश्व एड्स दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर एक संगोष्ठी, पोस्टर प्रदर्शनी और जागरूकता रैली का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र समुदाय और व्यापक समुदाय में एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। यह कार्यक्रम कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सावी बहल के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया और जीडीसी कठुआ के रेड रिबन क्लब के संयोजक डॉ. शिव कुमार द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत रेड रिबन क्लब के संयोजक डॉ. शिव कुमार के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने विश्व एड्स दिवस के वार्षिक महत्व पर प्रकाश डाला और 2025 के ji महत्वपूर्ण विषय का परिचय दिया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सावी बहल ने वर्चुअल माध्यम से सभा को संबोधित करते हुए, आरआरसी की पहल की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि युवाओं की सुरक्षा और पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए जागरूकता सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। एड्स दिवस पर संगोष्ठी में विभिन्न विषयों के छात्रों ने भाग लिया, जिसमें प्रतिभागियों ने एचआईवी/एड्स के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर दिया, जिसमें इसके विघटनकारी पहलू, चुनौतियाँ, कारण, लक्षण, संचरण के तरीके और निवारक उपाय शामिल थे। नियमित जाँच, सुरक्षित व्यवहार, रक्त जाँच और एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी के महत्व जैसे प्रमुख चिकित्सा संदेशों पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने आम भ्रांतियों को दूर करने और एचआईवी से जुड़े सामाजिक कलंक और भय से निपटने के लिए जागरूकता को एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगोष्ठी के बाद, छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ एक पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

राजौरी के त्रिपाठ में दुकानदार की पत्थर से हमला कर की गई हत्या

राजौरी, 2 दिसंबर (हि.स.) राजौरी के त्रिपाठ क्षेत्र में एक दुकानदार की पत्थर से हमला कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मंजूर अहमद के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दुकानदार पर कल शाम करीब 5 बजे एक व्यक्ति ने अचानक पत्थर से हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक की दुकान पुलिस चौकी के बिल्कुल सामने ही है

जब मृतक पर पहला हमला हुआ था तो उसने मदद की गुहार लगाते हुए पुलिस चौकी में फोन किया लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की इसके बाद आरोपी दोबारा फिर से दुकान के बाहर आया और फिर दुकानदार मंजूर अहमद पर पत्थर से हमला किया। इस दौरान उसे सिर पर गंभीर चोट लगी जिस कारण मौके पर ही मंजूर अहमद की मौत हो गई

घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और उन्होंने कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन भी किया। लोगों का कहना है कि हमला करने वाला आरोपी क्रिमिनल है उसे हर बार नशेड़ी बोलकर पुलिस द्वारा छोड़ दिया है। लोगों का कहना है कि फोन करने के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। वहीं पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है लोगों का कहना है कि मृतक की बेटियां व पत्नी और बुजुर्ग मां है जिला मजिस्ट्रेट इस परिवार की मदद करें

वरिष्ठ कांग्रेस नेता रिंचेन टुंडुप भाजपा में शामिल हुए

लद्दाख, 2 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पार्टी की उपस्थिति और संगठनात्मक गतिविधियों को और मजबूत करने के लिए खालत्से में एक महत्वपूर्ण आम बैठक बुलाई। बैठक की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी, यूटी लद्दाख के प्रदेश अध्यक्ष ताशी ग्यालटसन खाचू ने की और यह बैठक जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के महासचिव (संगठन) अशोक कौल और एलएएचडीसी लेह के पूर्व अध्यक्ष ताशी ग्यालटसन की उपस्थिति में हुई।

सभा में क्षेत्र के पूर्व पार्षद, लेह और जिला भाजपा इकाइयों के अध्यक्षों, जिला कार्यकारिणी और महिला, युवा और किसान मोर्चा के अध्यक्षों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। चर्चाएँ जमीनी स्तर पर पहुंच को मजबूत करने, सार्वजनिक संपर्क बढ़ाने और क्षेत्र के लिए विकास-संचालित पहलों में तेजी लाने पर केंद्रित थीं।

हिमालयी भू-आकृतियों का प्रत्यक्ष अध्ययन कर छात्रों ने बढ़ाया व्यावहारिक ज्ञान

जम्मू, 2 दिसंबर (हि.स.)। पी.जी. डिपार्टमेंट ऑफ जियोलॉजी द्वारा बी.एससी. सेमेस्टर 3 और 5 के मेजर छात्रों के लिए 28 से 30 नवंबर तक धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में तीन दिवसीय भूवैज्ञानिक फील्ड ट्रिप का आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण को कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. रोमेश कुमार गुप्ता की स्वीकृति थी। टूर इंचार्ज प्रो. अनिल थाप्पा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्रों ने विभिन्न स्थल-आधारित गतिविधियों में हिस्सा लिया। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने लिथोलॉजिकल फॉर्मेशंस की पहचान, हिल-स्लोप प्रक्रियाओं का अध्ययन, संरचनात्मक अवलोकन, तथा विस्तृत भूवैज्ञानिक मैपिंग अभ्यास किए। प्रो. थाप्पा की विशेषज्ञता और फील्ड निर्देशों ने छात्रों के व्यावहारिक कौशल को अत्यंत समृद्ध किया।

फील्ड ट्रिप का समन्वयन डॉ. मतीन हफीज (एचओडी, जियोलॉजी) ने किया। एचओडी ने फैकल्टी टीम, डॉ. हुनी शर्मा, डॉ. मोहम्मद मोहसिन और मेहक, के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की यात्राएँ भूविज्ञान के छात्रों की प्रायोगिक समझ को मजबूती प्रदान करती हैं। धर्मशाला का हिमालयी भू-परिदृश्य छात्रों के लिए एक उत्कृष्ट प्राकृतिक प्रयोगशाला साबित हुआ, जहाँ उन्होंने कक्षा में सीखे सिद्धांतों को सीधे फील्ड में लागू किया। साथ गए संकाय सदस्यों ने विभिन्न स्थलों पर डेमोंस्ट्रेशन, चर्चा सत्र और निर्देशित अवलोकन कराए, जिससे छात्रों को जियोमॉरफोलॉजी, शैल संरचनाओं तथा मैपिंग तकनीकों पर गहन समझ प्राप्त हुई।

एसएमवीडीयू की शोधार्थी उमा शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पेश किया अभिनव शोध

जम्मू, 2 दिसंबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) की मॉलिक्यूलर बायोलॉजी लैब, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की पीएच.डी. स्कॉलर उमा शर्मा ने देवभूमि उत्तराखंड यूनिवर्सिटी, देहरादून में 12 से 15 नवंबर तक आयोजित 66वें एएमआई वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं रिसर्च कॉन्क्लेव में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

सम्मेलन में उमा शर्मा ने अपने शोध पत्र टैक्सस वालिचियाना से प्राप्त एंडोफाइटिक फंगस की स्क्रीनिंग एवं बायोप्रोसेस ऑप्टिमाइज़ेशन द्वारा टैक्सॉल उत्पादन में वृद्धि विषय पर प्रस्तुति दी।

उनका शोध उच्च क्षमता वाले एंडोफाइटिक फंगस की पहचान तथा बायोप्रोसेस पैरामीटर्स के अनुकूलन पर केंद्रित है, जिससे टैक्सॉल, जो कि एक महत्वपूर्ण कैंसररोधी यौगिक है, के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सके। यह अध्ययन पौधों से प्राप्त टैक्सॉल उत्पादन में आने वाली चुनौतियों तथा संकटग्रस्त टैक्सस प्रजाति के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ विकल्प प्रस्तुत करता है।

सम्मेलन ने उमा को माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी के विशेषज्ञों से संवाद करने, नवीनतम शोध प्रवृत्तियों को समझने और अपने कार्य पर उपयोगी सुझाव प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया। अपने अनुभव साझा करते हुए शर्मा ने अपनी पर्यवेक्षक डॉ. शफक रसूल का मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने प्रो. प्रगति कुमार, कुलपति, एसएमवीडीयू का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच पर शोध प्रस्तुत करने का अवसर और संस्थागत सहयोग प्रदान किया।

Union Territory of Jammu & Kashmir
Office of the Child Development Project Officer Poshan , Budhal

Subject:- Tentative Provisional Select list Of Sahayikas (Anganwadi Helpers) of Poshan Project Budhal in Pursuant to advertisement Notice No. 01 of 2025. Dated:-07-02-2025 under Phase IV Calling of Objections thereof,

NOTIFICATION

Whereas, vide advertisement notification No. 01 of 2025 number of post of Anganwadi Helpers (Sahayikas) were advertised for filling up of the vacant posts in Poshan Project Budhal in pursuance of HR Policy as notified Vide Govt. order No:-103-JK(SWD) of 2023, dated:-28-04-2023
Whereas, 11 number of applications were received for the Vacant posts of Anganwadi Helpers (Sahayikas), for various Anganwadi centers in different Panchayats of Poshan Project Budhal, as on last date of receipt of application i.e.25-02-2025
Whereas, after scrutiny of application as per eligibility conditions as contained in the aforementioned advertisement notification, in accordance with HR policy referred above, the tentative Provisional merit list along with select list has been framed detailed as Annexure "A & B"
Now, therefore, objections if any with regard to merit/ residential status/Qualification/Marks/Date of Birth etc are hereby called from general public/applicants of the concerned ward/ Panchayat against the tentative merit list (Annexure A & B) within ten days, from the date of issuance of this notice, falling which no claim shall be entertained.
No:-CDPO/BK/2025-26/418-23 Dated: 29/10/2025.

Sd/-
(Hanan Shawl JKAS)
Child Development Project Officer
Poshan Budhal
(Member Secretary Selection Committee)

DIP/J-8559/25
Dtd: 2-12-2025

संपादकीय

टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल रोकें

आज टेक्नोलॉजी एक पावरफुल टूल बन गई है, जो देश का भविष्य तय कर सकती है, इसलिए यह ज़रूरी हो जाता है कि सरकार हर मुमकिन तरीके से देश के हितों की रक्षा के लिए नज़र रखे और सभी सावधानियां बरते। साइबर अटैक, डिजिटल जासूसी, गलत जानकारी और डेटा चोरी खतरनाक साबित हो सकते हैं, इसलिए बिना किसी छूट के इन सभी संभावनाओं को रोकने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए। हालांकि यह काम बहुत मुश्किल है, लेकिन सरकार के पास कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है, इसलिए यह ज़रूरी हो जाता है कि देश विरोधी तत्वों को VPN, गुमनाम कम्युनिकेशन चैनल और नकली या बिना वेरिफाइड सोशल-मीडिया पहचान जैसे डिजिटल टूल का इस्तेमाल करके प्रोपेगैंडा फैलाने, फाइनेंशियल फ्रॉड करने, गैर-कानूनी कामों में तालमेल बिठाने और देश की सुरक्षा से समझौता करने से रोका जाए। इस संदर्भ में, सरकार द्वारा नेशनल और लोकल लेवल पर उठाए गए कदम समय की ज़रूरत बन गए हैं। केंद्र हाल ही में नए SIM-बाइंडिंग नियम लेकर आया है ताकि भारतीयों के मैसेजिंग ऐप इस्तेमाल करने के तरीके को फिर से लिखा जा सके। इस बारे में जारी ऑर्डर के मुताबिक, अब लोग बिना एक्टिव SIM कार्ड वाले डिवाइस पर WhatsApp, Telegram या Signal जैसे ऐप नहीं चला पाएंगे। हालांकि यह एक सख्त कदम लग सकता है, लेकिन सिक्योरिटी के नज़रिए से, देश के अंदर और बाहर से काम कर रहे एंटी-नेशनल और दुश्मनों से देश की सुरक्षा के लिए ऐसे कदम ज़रूरी हो गए हैं। इसी सिलसिले में, J&K के राजौरी और पुंछ ज़िलों में लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ने दो महीने के लिए वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क सर्विस को सस्पेंड करने का ऑर्डर दिया है, क्योंकि एंटी-सोशल एलिमेंट गैर-कानूनी कामों के लिए टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। इसलिए VPN सर्विस के गलत इस्तेमाल को रोकना, सोशल-मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए एक्टिव और वेरिफाइड SIM-बेस्ड ऑथेंटिकेशन को ज़रूरी बनाना जैसे कदम परेशानी को रोकने में बहुत ज़रूरी हैं। ये उपाय अधिकारियों को व्यवस्था बनाए रखने और लोगों की सुरक्षा पक्का करने में मदद कर सकते हैं, जो आजकल बहुत ज़रूरी हो गया है। बेशक, ऐसे उपाय कभी-कभी आम आदमी को परेशान करते हैं, जिनका कोई शक वाला बैकग्राउंड नहीं होता, लेकिन ये देश को उभरते साइबर खतरों से बचाने और यह पक्का करने के लिए बहुत ज़रूरी हो गए हैं कि टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट का एक टूल बने, न कि एंटी-नेशनल के हाथों में हथियार।

समाज को बदलना होगा दिव्यांगों के प्रति नजरिया

दुनिया में अनेकों ऐसे उदाहरण हैं जो बताते है कि सही राह मिल जाये तो अभाव एक विशेषता बनकर सबको चमत्कृत कर देती है। भारत में दिव्यांगो की मदद के लिए बहुत सी सरकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। लेकिन इतने वर्षों बाद भी देश में आज तक आधे दिव्यांगो को ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र मुहैया कराया जा सका है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गंवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। सिख राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी।

रमेश सर्राफ धमोरा

तीन दिसंबर को देश-दुनिया में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया जाता है। आजादी के 78 वर्ष बाद भी देश में दिव्यांगों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ हैं। दिव्यांग लोग आज भी समाज में बराबरी के अधिकारों के लिये संघर्षरत हैं।

सरकारी स्तर पर भी कागजी कार्रवाई ज्यादा हुई है। धरातल पर आज भी दिव्यांगों की स्थिति दयनीय है। समाज में उनका मजाक उड़ाया जाता है। ऐसी ही एक घटना से नाराज होकर कुछ दिनो पूर्व देश के उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार से दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से निपटने के लिए कड़े कानून बनाने पर विचार करने को कहा । न्यायालय ने एसएमए क्योर फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई करते हुये केंद्र सरकार से दिव्यांगों और दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों का उपहास करने वाली अपमानजनक टिप्पणियों को अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति अधिनियम की तर्ज पर दंडनीय अपराध बनाने के लिए एक कानून बनाने को कहा है।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अभद्र, आपत्तिजनक और अवैध सामग्री को नियंत्रित करने के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस बारे में न्यायालय को सूचित किया कि सरकार में कुछ दिशा-निर्देश बनाने पर विचार हो रहा है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हास्य किसी की गरिमा की कीमत पर नहीं हो सकता। याचिका में इंडियाज गॉट लेटेंट के होस्ट समय रैना और सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोगों, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर के चुटकुलों की निंदा की गई थी। अदालत ने उन्हें भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश दिया। न्यायालय ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को दिव्यांग व्यक्तियों, विशेष रूप से स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए धन जुटाने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों की सफलता की कहानियों पर प्रत्येक माह दो कार्यक्रम या शो आयोजित करने का भी निर्देश दिया।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर इस वर्ष का विषय है सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में हर वर्ष 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस के रूप में मनाने घोषणा की थी। तब से सरकार ने देश में दिव्यांगो के लिए कई नीतियां बनाई हैं। उन्हें सरकारी नौकरियों, अस्पताल, रेल, बस सभी जगह आरक्षण प्राप्त है। दिव्यांगो के लिए सरकार ने पेंशन की योजना भी शुरू की है। लेकिन ये सभी सरकारी योजनाएं महज एक मजाक बनकर रह गई हैं। इनके पास इन सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिव्यांगता का प्रमाणपत्र ही नहीं है। इसको मनाने का उद्देश्य समाज के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को बढ़ावा देना और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में दिव्यांग लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। मगर आज भी लोगों को तो इस बात का भी पता ही नहीं होता है कि हमारे आस-पास कितने दिव्यांग रहतें हैं। उन्हे समाज में बराबरी का अधिकार मिल रहा है कि नहीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक 'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हे हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है।

दुनिया में अनेकों ऐसे उदाहरण हैं जो बताते है कि सही राह मिल जाये तो अभाव एक विशेषता बनकर सबको चमत्कृत कर देती है। भारत में दिव्यांगो की मदद के लिए बहुत सी सरकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। लेकिन इतने वर्षों बाद भी देश में आज तक आधे दिव्यांगो को ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र मुहैया कराया जा सका है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गंवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। सिख राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन की दायीं टांग नहीं थी। फिल्मी गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूक-बधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार व जयपुर के सुन्दर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है।राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) से एकत्र किए गए द्वितीयक डेटा के भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद प्रकाशन के विश्लेषण के अनुसार भारत में विकलांग लोगों की कुल व्यापकता जनसंख्या का 4.52 प्रतिशत है। भारत विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का एक पक्ष है। यह डेटा दर्शाता है कि भारत में लगभग 6 करोड़ 32 लाख 80 हजार लोग किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ जीवन यापन करते हैं। लोकोमोटर (गतिशील) विकलांगता सभी विकलांगताओं में सबसे आम है, इसके बाद मानसिक और वाक् (बोलने से संबंधित) विकलांगताएं हैं।

भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है। देश में दिव्यांगो को दी जाने वाली सुविधाएं कागजों तक सिमटी हुई हैं। अन्य देशों की तुलना में हमारे यहां दिव्यांगो को एक चौथाई सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही है। केंद्र सरकार ने देशभर के दिव्यांग युवाओं को सीधी भर्ती वाली केंद्रीय सेवाओं में दृष्टि बाधित, बधिर और चलने-फिरने में दिव्यांगता या सेरेब्रल पल्सी के शिकार लोगों को उम्र में 10 साल की छूट देकर एक सकारात्मक कदम उठाया है। अब दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच को बदलने का समय आ गया है। दिव्यांगो को समाज की मुख्यधारा में तभी शामिल किया जा सकता है ,जब समाज इन्हें अपना हिस्सा समझे। इसके लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान की जरूरत है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

विश्व को चौंकाती भारत की आर्थिक विकास दर

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.6 प्रतिशत रही थी। विशेष रूप से विनिर्माण एवं सेवा के क्षेत्र में वृद्धि दर अतुलनीय है। विनिर्माण के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर रही थी जो वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में बढ़कर 9.1 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार, सेवा क्षेत्र में भी वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत की रही है। वित्तीय, रियल एस्टेट एवं प्रोफेशनल सेवाओं में तो वृद्धि दर बढ़कर 10.2 प्रतिशत (पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.2 प्रतिशत) एवं जन प्रशासन, डिफेंस एवं अन्य सेवाओं में वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.9 प्रतिशत) की रही है। व्यापार, होटल, यातायात एवं कम्यूनिकेशन में भी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत (पिछले वर्ष 6.1 प्रतिशत)। केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं डिफेन्स के क्षेत्र में भी 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कृषि क्षेत्र में जरूर वृद्धि पिछले वर्ष 4.1 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 3.5 प्रतिशत हो गई है एवं कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र में भी वृद्धि दर पिछले वर्ष 8.4 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 7.2 प्रतिशत रही है।

जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुरन्त अपने आकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का प्रयास करने लगे कि भारत की आर्थिक विकास दर तो इतनी तेज गति से आगे बढ़ ही नहीं सकती। क्योंकि, वैश्विक स्तर पर इतनी विपरीत परिस्थितियों के बीच एवं विकसित देशों में विकास की धीमी दर एवं कुछ देशों में तो विकास दर के ऋणात्मक रहने के चलते ओईसीडी देशों की आर्थिक विकास दर 2 प्रतिशत के भी नीचे है। भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के ऊपर कैसे रह सकती है। साथ ही, विभिन्न वित्तीय संस्थानों यथा, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, विश्व व्यापार संगठन के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान जताया था। फिर, भारत की आर्थिक विकास इस अवधि में 8.2 प्रतिशत कैसे रह सकती है?

हाल ही के समय में केंद्र सरकार ने भारत में आर्थिक क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। इन सुधार कार्यक्रमों का असर अब भारत की आर्थिक विकास दर में तेजी के रूप में दिखाई देने लगा है। आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है और इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 में लागू किया जा चुका है। भारत में 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों को (लगभग 10 प्रतिशत तक) कम कर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों (रेपो दर) में एक प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है एवं दिसम्बर 2025 माह में 25 आधार बिंदुओं की एक और कटौती की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भारत की मातृशक्ति के बैंक खातों, किसानों के बैंक खातों एवं गरीब वर्ग के बैंक खातों में सीधे ही सहायता की राशि जमा की जा रही है। साथ ही, भारत के लगभग 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त उपायों का स्पष्ट असर यह हो रहा है कि भारत के दूर दराज इलाकों में निवासरत गरीब वर्ग के हाथों में सीधे पैसा पहुंच रहा है, जिससे उनकी क्रय शक्ति बढ़ रही है एवं वे इस पैसे से कई प्रकार के उत्पादों का सेवन करने लगे हैं और जिससे अंततः देश में इन उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में निजी उपभोग भी वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही के 4.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 8 प्रतिशत से बढ़ा है। साथ ही केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों में भी 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, जिससे रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं एवं उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज हुई है।

उक्त कारणों के साथ ही, भारत में धार्मिक पर्यटन में भी भारी वृद्धि हुई है। अब, कई श्रद्धालु परिवार भारत के अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित मंदिर के दर्शन हेतु प्रति माह लाखों की संख्या में पहुंच रहे हैं। इसी प्रकार, वाराणसी स्थित भगवान भोलेनाथ मंदिर, उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर, जम्मू में माता वैष्णो देवी मंदिर, दक्षिण में भगवान तिरुपति बालाजी मंदिर, ओड़िसा के पुरी में स्थित मंदिर, उत्तराखंड स्थित गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ मंदिर, बद्रीनाथ मंदिर आदि मंदिरों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने हेतु पहुंच रहे हैं। हाल ही में प्रयागराज में सम्पन्न हुए कुम्भ के मेले में तो 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु देश विदेश से पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने हेतु पहुंचे थे। इसी प्रकार, भारत की एक और विशेषता है कि यहां विभिन्न त्यौहारों को बड़े ही उत्साह से भाई-चारे के साथ मनाया जाता है।

दीपावली का पावन पर्व एवं दीपावली के आसपास के समय में कई त्यौहार श्रद्धापूर्वक मनाए जाते हैं एवं इन त्यौहारों पर समाज में परिवारों द्वारा लाखों करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं। इस वर्ष एक आकलन के अनुसार दीपावली के पावन पर्व एवं दीपावली के समय के आसपास के समय में मनाए गए विभिन्न त्यौहारों पर 6 लाख करोड़ रुपए के विभिन्न उत्पादों की बिक्री भारत में हुई है। फिर, शादियों का मौसम भी प्रारम्भ होता है जिसमें करोड़ों की संख्या में विवाह समारोह सम्पन्न होते हैं, इन विवाह समारोहों में भी लाखों करोड़ रुपए का खर्च भारतीय समाज द्वारा किया जाता है। इन कारणों के चलते भी भारत में हाल ही के समय में उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। जिससे, अंततः इन उत्पादों का निर्माण भी भारत में होने लगा है तथा विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

दरअसल, विदेशी वित्तीय संस्थान भारत की संस्कृति से पूर्णत अनभिज्ञ हैं एवं पश्चिमी देशों की संस्कृति के अनुसार विकसित किए गए मॉडल से भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगा रहे हैं। इन मॉडल के अनुसार जहां, इन विभिन्न विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा 6 से 7 प्रतिशत के बीच की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाया जाता है वहीं भारत की आर्थिक विकास दर अब 8 प्रतिशत की दर को भी पार करती हुई दिखाई दे रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इन वित्तीय संस्थानों के आंकलन में इतना भारी अंतर सोच का विषय है। अब भारत के आर्थिक विकास के सम्बंध में अनुमानों को आंकने के लिए भारतीय मॉडल ही विकसित करने की आवश्यकता है। वरना, इसी प्रकार की गलतियां इन विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा की जाती रहेंगी एवं भारत में कुछ विघ्न संतोषी पत्रकार इसी प्रकार देश के आर्थिक विकास की दर पर अपनी शंका-कुशंकाओं को समाज के बीच में लाते रहेंगे और गलत विमर्श खड़ा करने का प्रयास करते रहेंगे।

हां, भारत में ऐसे कुछ क्षेत्र जरूर हैं जिनमे विकास दर को गति देने के प्रयास किए जाने चाहिए। जैसे, भारत में खदानों से उत्पादन में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, पिछले वर्ष भी इसी अवधि में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई थी। जब देश में विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा रही है तो फिर खदानों से उत्पादन क्यों नहीं बढ़ना चाहिए? इसका आशय कहीं यह तो नहीं कि हम कच्चे माल की जरूरतों को आयात के माध्यम से पूरा करने का प्रयास कर रहे हों। इस बीच भारत में आयात की मात्रा में भी भारी वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि दर कुछ धीमी रही है। उक्त अवधि (तिमाही) के दौरान, भारत में उत्पादों का आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जबकि भारत से उत्पादों का निर्यात 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है।

इस प्रकार, कुल व्यापार घाटा बढ़कर 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। इस प्रकार, भारत में कच्चे माल के उपयोग में आत्म निर्भरता हासिल करना आवश्यक हो गया है। जिन वस्तुओं का उत्पादन भारत में ही आसानी से सम्भव है, उनका आयात बंद अथवा कम करना ही होगा। अन्यथा, की स्थिति में भारत को अपने व्यापार घाटे को संतुलित करना, अति मुश्किल कार्य हो जाने वाला है। सामाजिक स्तर पर भी इस समस्या का हल निकालना होगा। केवल देश में ही उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करना आज प्रत्येक परिवार का कर्तव्य बन जाना चाहिए। देश में बढ़ती मांग की आपूर्ति यदि देश में ही निर्मित वस्तुओं से होने लगेगी तो विदेशी संस्थाओं द्वारा भारत में अपने उत्पाद बेचकर कमाए जाने वाले लाभ को वे अपने देश में नहीं ले जा सकेंगे और इससे अंततः भारत के व्यापार घाटे को भी नियंत्रित किया जा सकेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

घुसपैठ और शरणार्थी समस्या पर अमेरिका की दोहरी नीति

रमेश शर्मा

घुसपैठ और शरणार्थी समस्या पर अमेरिका की दोहरी नीति सामने आई है। संयुक्त राज्य नागरिकता और आव्रजन सेवाएं (यूएससीआईएस) ने 19 देशों के सभी नागरिकों को अपने देश से निकालने का अभियान छेड़ दिया है। यूएससीआईएस अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) की एक एजेंसी है।

यह देश में नागरिकता और आव्रजन प्रणाली का प्रबंधन करती है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर संयुक्त राज्य अमेरिका आयोग (यूएससीआईआरएफ) ने भारत में शरणार्थियों की पहचान करने की कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताया है और उन्हें भारत में ही बसाने का दबाव भी बनाया है। नवंबर में अमेरिका से आए दो समाचार विश्व मीडिया में सुर्खियां बने। एक समाचार नवंबर के अंतिम सप्ताह का है।

इसमें कहा गया कि यूएससीआईएस ने 19 देशों के नागरिकों को अमेरिका से निकालने की कार्रवाई तेज करने की है। यह संस्था अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस घोषणा के बाद सक्रिय हुई जिसमें कहा गया कि वे 'थर्ड वर्ल्ड कंट्रीज' से आने वाले शरणार्थियों को हमेशा के लिए रोक देंगे, और जो आ गये हैं उन्हें अमेरिका से बाहर करेंगे।

थर्ड-वर्ल्ड के रूप में अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और मध्य एशिया के देश माने जाते हैं। यूएससीआईएस ने 19 देशों की एक सूची भी जारी की है। इनमें अफगानिस्तान, बर्मा, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान, यमन, बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला हैं। इन देशों में विकास की गति धीमी है। यहां के नागरिक अपनी गरीबी और बेरोजगारी दूर करने केलिये अन्य देशों में जाते हैं। अमेरिका उनकी पहली प्राथमिकता होता है। ट्रंप ने इन देशों के नागरिकों को अमेरिका के लिये चिंताजनक माना है। इनको अपने यहां से निकालने की तैयारी भी कर ली है। इसकी तैयारी तो जून 2025 से ही हो रही थी लेकिन हाल ही दो अमेरिकी सैनिकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद प्रशासन ने यह काम अपनी पहली प्राथमिकता में ले लिया है। यह हमलावर अफगानिस्तानी नागरिक रहमनुल्लाह लाकनवाल था। इसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस हमले में अमेरिकी नेशनल गार्ड्स के एक सैनिक की मृत्यु हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हुआ था।

इस हमले के बाद राष्ट्रपति ने इन देशों से अमेरिका आने वाले नागरिकों पर तीखी टिप्पणी की।

राष्ट्रपति की इस घोषणा के बाद यूएससीआईएस के निदेशक जो एडलो ने कहा कि राष्ट्रपति के निर्देश पर यह जांच 'पूरी तरह कठोर और फुल-स्केल' होगी। एक ओर अमेरिकी राष्ट्रपति यह खुली घोषणा कर रहे हैं कि जो लोग अमेरिका से प्यार नहीं करते उन्हें निकाला जायेगा वहीं अमेरिकी सरकार की ही एक अन्य संस्था यूएससीआईआरएफ भारत में घुसपैठियों की जांच पर आपत्ति जता रही है। यह संस्था अमेरिका सहित संसार के विभिन्न देशों में धार्मिक की स्वतंत्रता के सार्वभौमिक अधिकार पर अपनी रिपोर्ट तैयार करती है। वार्षिक रिपोर्ट के अतिरिक्त भी समय-समय पर इसके पदाधिकारियों की टिप्णियां आती हैं। संस्था ने इसवर्ष अपनी रिपोर्ट भारत-मुस्लिम समाज पर केंद्रित की है और बहुसंख्यक हिन्दुओं एवं भारत सरकार पर मुसलमानों को धार्मिक आधार पर उत्पीड़ित करने का आरोप लगाया है। इस रिपोर्ट में नागरिकता के सत्यापन और घुसपैठियों को बाहर करने की कार्रवाई को मुसलमानों के धार्मिक अधिकार से जोड़कर तीखी आलोचना की गई है।

रिपोर्ट में भारतीय सुरक्षा एजेंसीज की आतंकवादियों और अपराधियों पर की जाने वाली कार्रवाई को भी मुसलमानों के धार्मिक अधिकार से जोड़कर आपत्तिजनक माना गया है। दुनिया के किसी भी देश में अपराधी अथवा आतंकवादी को धार्मिक आधार पर बचाव नहीं किया जाता। अमेरिका में भी नहीं। लेकिन भारत में अपराधी के धार्मिक और मानवाधिकार दिखते हैं। भारत में एक भी ऐसी घटना नहीं घटी जहां बहुसंख्यक समाज ने किसी अल्पसंख्यक को धार्मिक आधार पर उत्पीड़ित किया हो। यहां तो इसके बिलकुल विपरीत होता है। धार्मिक आधार पर बहुसंख्यकों पर हमले होते हैं। वे भयभीत होकर मकान दुकान बेचकर अन्यत्र भाग रहेहैं। लेकिन यह अमेरिकी रिपोर्ट यह भी लिखती है कि भारत सरकार, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर, धार्मिक अल्पसंख्यकों के विरुद्ध व्यापक उत्पीड़न और हिंसा को बर्दाश्त करती है और कभी-कभी उसे बढ़ावा भी देती है।

रिपोर्ट में कमिश्नर स्टीफन श्नेक ने कहा है कि मुसलमानों को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए मजबूर करना उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर व्यक्तियों को सीधे निशाना बनाना है और नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय संधि के तहत भारत के दायित्वों का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि हम ट्रंप प्रशासन से आग्रह करते हैं कि वह भारत सरकार के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों में धार्मिक स्वतंत्रता को शामिल करे और मुस्लिम आबादी और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दे।

यूएससीआईआरएफ ने भारत में रोहिंग्या घुसपैठियों की तलाश कर उन्हें वापस भेजे जाने पर भी आपत्ति की है और कहा है कि उन्हें शरणार्थी माना जाना चाहिए। अध्यक्ष विकी हार्टज़लर ने इसे अंतरराष्ट्रीयकानून और गैरवापसी के सिद्धांत की घोर अवहेलना माना है। इस संस्था को पाकिस्तान और बंगलादेश में हिन्दुओं की हत्या और घटती आबादी नहीं दिख रही, लेकिन भारत पर उंगली उठाई जा रही है। इसकी रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी निशाना साधा गया है और कहा है कि यह संगठन धार्मिक परिवर्तन रोकने का प्रयास करता है। रिपोर्ट की यह पंक्ति परोक्ष रूप से उन तत्वों की करतूतों पर परदा डालने वाली है जो भारत में छल प्रपंच से धर्मांतरण का अभियान चलाये हुये हैं। इस रिपोर्ट में गोहत्या रोकने के प्रयास और पाठ्य पुस्तकों से मुस्लिम शासकों से जुड़े संदर्भ हटवाने के लिये भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधा गया है। यह रिपोर्ट जिस समय आई है और जिस प्रकार प्रस्तुतिकरण किया गया है, वह भारत के निवासियों की धार्मिक स्वतंत्रता का विश्लेषण नहीं अपितु भारत में घुसपैठ, आतंकवाद और अलगाववाद को संरक्षण देने का कुचक्र लगता है।

इन दिनों भारत में मतदाता सूचियों का सत्यापन कार्य (एसआईआर) चल रहा है। कुछ दल और कुछ कट्टरपंथी इस सत्यापन का विरोध कर रहे हैं। वे घुसपैठियों को मतदाता बनाये रखने का अभियान चला रहे हैं। इस रिपोर्ट में भारत विरोधी ऐसे ही अभियान की स्पष्ट झलक दिखाई दे रही है। भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाली एवं भारत की एकता को तोड़ने वाले कट्टरपंथियों और आतंकवादियों को प्रोत्साहित करने वाली यह पहली रिपोर्ट नहीं है। इससे पहले भी इस संस्था की कुछ रिपोर्ट भारत के विरुद्ध आईं हैं। भारत सरकार ने गत वर्ष भी इस संस्था की रिपोर्ट को खारिज कर दिया था और इस वर्ष भी तथ्यहीन बताकर खारिज कर दिया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ओलंपियन सिफ्त कौर समरा को 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स में फिर शूटिंग के शामिल होने की उम्मीद

एजेंसी

जयपुर। ओलंपियन सिफ्त कौर समरा को भरोसा है कि जब भारत 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा, तब शूटिंग को एक बार फिर से खेलों में शामिल किया जाएगा। 2022 बर्मिंघम और 2026 ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स से शूटिंग को हटा दिया गया था, ऐसे में भारत में होने वाले इन खेलों में घरेलू निशानेबाजों को सामने आकर चमकने और ढेरों पदक जीतने का सुनहरा मौका मिलेगा। सिफ्त ने साई मीडिया से बातचीत में कहा, 'भारत के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करने को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि शूटिंग को गेम्स में शामिल किया जाएगा। यह हमारे निशानेबाजों के लिए शानदार मौका होगा कि वे अपनी प्रतिभा दिखाएं और देश के लिए पदक जीतें। मैं यह भी उम्मीद करती हूं कि इससे देश में खेलों का ढांचा और मजबूत होगा, जिससे नए खिलाड़ी आसानी से ट्रेनिंग कर सकेंगे।' 24 वर्षीय निशानेबाज़ ने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स देश की खेल संस्कृति पर बड़ा प्रभाव डालेंगे। 'जब लोग स्टेडियम में हमारे खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करते हुए देखेंगे, तो वे प्रेरित होंगे और खेलों को अपनाने की सोच मजबूत होगी।' खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में सिफ्त ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन में व्यक्तिगत रजत और टीम ब्रॉन्ज अपने नाम किया।

पंजाब एफसी ने युवा खिलाड़ी मोहम्मद सुहैल के साथ बढ़ाया चार साल का करार

मोहाली। पंजाब एफसी ने उभरते भारतीय अटैकर मोहम्मद सुहैल के साथ चार साल का करार विस्तार किया है, जिससे क्लब ने 2029 तक देश के सबसे रोमांचक युवा फुटबॉलरों में से एक को अपने साथ जोड़ लिया है। यह एक्सटेंशन क्लब के दीर्घकालिक विज़न और एलीट यूथ डेवलपमेंट में निवेश को मजबूती देने वाला बड़ा कदम माना जा रहा है। सुहैल की पंजाब एफसी के साथ यात्रा 13 साल की उम्र में शुरू हुई थी, जब उन्होंने ट्रायल्स में प्रभावित कर अकादमी जॉइन की। इसके बाद उन्होंने तेजी से प्रगति की। उन्होंने रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग में गोल्डन बॉल जीता। क्लब को नेशनल टाइटल जिताने में मदद की, सीनियर टीम में प्रमोशन पाया और भारत की अंडर 23 टीम में बहरीन और कतर के खिलाफ बेहतरीन गोलों के साथ अपनी पहचान बनाई। उनके 2024-25 आईएसएल अभियान में एक बड़ा माइलस्टोन भी शामिल था, जब वे लीग इतिहास में असिस्ट दर्ज करने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने। कॉन्ट्रैक्ट एक्सटेंशन पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए मोहम्मद सुहैल ने कहा, 'पंजाब एफसी मेरे लिए घर जैसा रहा है, जिस दिन से मैं एक बच्चे के रूप में यहां आया था। मैं यहां के कोच, स्टाफ और खिलाड़ी हर दिन मुझे बेहतर बनने के लिए प्रेरित करते हैं।'

पैर में फ्रैक्चर से स्पेन की स्टार फुटबॉलर बोनमती नेशंस लीग फाइनल से बाहर

नई दिल्ली। स्पेन की मिडफील्डर ऐताना बोनमती नेशंस लीग फाइनल के दूसरे चरण से बाहर हो गई हैं। ट्रेनिंग के दौरान उनकी बाईं फिबुला (पैर की हड्डी) में फ्रैक्चर हो गया था। बोनमती ने जर्मनी के खिलाफ खेले गए महिला नेशंस लीग फाइनल के पहले चरण में हिस्सा लिया था, जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ था। इसके बाद टीम दूसरे चरण की तैयारी कर रही थी, जो 2 दिसंबर को एस्टाडियो मेट्रोपोलिटानो में खेला जाना है। रॉयल स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन के अनुसार रविवार को मेडिकल जांच के बाद पाया गया कि ऐताना बोनमती की बाईं फिबुला में फ्रैक्चर है। खिलाड़ी अब बार्सिलोना लौटेंगी और वहीं से अपनी रिकवरी शुरू करेंगी। 27 वर्षीय बोनमती के लिए यह चोट ऐसे समय आई है जब उन्होंने बेहद शानदार साल बिताया है। वह तीन बार विमेन्स बैलन ड'ओर जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनीं, बार्सिलोना को घरेलू ट्रेबल दिलाने में अहम भूमिका निभाई और स्पेन के साथ यूरो 2025 फाइनल तक पहुंचीं।

साउथ अफ्रीका की ऑलराउंडर क्लो ट्रायोन ने महिला कोरियोग्राफर से की सगाई

नई दिल्ली। महिला क्रिकेट की स्टार ऑल-राउंडर क्लो ट्रायॉन ने हाल ही में अपने जीवन का एक अहम मोड़ साझा किया, जब उन्होंने सोशल मीडिया पर 'A Lifetime of Us' लिखे कैप्शन के साथ शादी की अंगूठी और सफेद दिल वाला इमोजी पोस्ट किया। यह घोषणा उनके खेल करियर की बड़ी उपलब्धियों के बीच एक खूबसूरत निजी खुशी लेकर आई। मिशेल नेटिवल जो एक प्रतिष्ठित कोरियोग्राफर, डायरेक्टर और कंटेंट क्रिएटर हैं, अब इस दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर की जीवन यात्रा में नया अध्याय बन चुकी हैं। उनकी यह घोषणा 2025 महिला ODI वर्ल्ड कप के रोमांचक समापन के तुरंत बाद सामने आई। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुए 13वें ICC महिला ODI वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका ने बेहतरीन खेल दिखाया। लॉरा वोल्वार्ड्ट की कप्तानी में टीम फ़ाइनल तक पहुंची, जहां नवी मुंबई के DY पाटिल स्टेडियम में भारत ने 52 रनों से जीत दर्ज की। हालांकि दक्षिण अफ्रीका खिताब से चूक गया, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में क्लो ट्रायॉन का योगदान शानदार रहा। उन्होंने 89.79 के स्ट्राइक रेट और 29.33 के औसत से 176 रन बनाए, जिनमें एक महत्वपूर्ण हाफ-सेंचुरी भी शामिल थी। बॉलिंग में भी वे उतनी ही प्रभावी रहीं, 4.95 की इकॉनमी और 37.16 के औसत से आठ इनिंग्स में छह विकेट अपने नाम किए।

भारतीय रेलवे ने महिला क्रिकेटर प्रातिका रावल, स्नेह राणा और रेणुका सिंह ठाकुर को दिया प्रमोशन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने 2025 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता भारतीय टीम की तीन प्रमुख खिलाड़ियों प्रातिका रावल, स्नेह राणा और रेणुका सिंह ठाकुर को आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन देते हुए ग्रुप 'बी' अधिकारी-स्तर के पद ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी स्पोर्ट्स) पर पदोन्नत किया है। यह सम्मान उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान की सराहना के रूप में दिया गया है। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की इस पहल के तहत तीनों खिलाड़ियों को अब 7वें वेतन आयोग के अनुसार पे मैट्रिक्स के लेवल-8 पर ग्रुप 'बी' राजपत्रित अधिकारी के समान वेतनमान और लाभ मिलेंगे। इससे उन्हें आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ प्रशासनिक भूमिकाएं भी सौंपी जाएंगी। पिछले महीने, केंद्रीय रेल, सूचना एवं

प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल भवन में आयोजित समारोह में तीनों खिलाड़ियों को सम्मानित किया था।

प्रातिका रावलः दिल्ली की ओपनिंग बैटर और नॉर्दर्न रेलवे में वरिष्ठ क्लर्क के पद पर कार्यरत प्रातिका रावल को अब ग्रुप 'बी' राजपत्रित पद ओएसडी (स्पोर्ट्स) पर पदोन्नत किया गया है। उन्होंने विश्व कप अभियान में भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

रेणुका सिंह ठाकुरःनॉर्दर्न रेलवे में जूनियर क्लर्क के पद पर तैनात रेणुका सिंह ठाकुर को भी ग्रुप 'बी' राजपत्रित पद ओएसडी (स्पोर्ट्स) पर प्रमोशन मिला है। दाएं हाथ की मीडियम-फास्ट गेंदबाज रेणुका ने टूर्नामेंट में कई निर्णायक मुकाबलों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

स्नेह राणाः उत्तराखंड की ऑलराउंडर स्नेह राणा, जो नॉर्दर्न रेलवे में कमर्शियल कम टिकट क्लर्क के पद पर कार्यरत थीं, अब ओएसडी (स्पोर्ट्स) के रूप में ग्रुप 'बी' अधिकारी बन गई हैं। उन्होंने बल्ले और गेंद, दोनों से टीम के लिए अहम योगदान दिया। भारतीय रेलवे लंबे समय से देश के खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करता आया है और इसके खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं।

इतालवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के फ्रेंच ओपन विजेता निकोला पिएत्रांजेली का 92 वर्ष की उम्र में निधन

एजेंसी

नई दिल्ली। इतालवी टेनिस के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज नाम महान खिलाड़ी निकोला पिएत्रांजेली का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। हालांकि, मौत का कारण तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका, लेकिन इटैलियन टेनिस फेडरेशन ने उनके निधन की घोषणा की। दिसंबर, 2024 में हिप फ्रैक्चर के बाद से उनकी सेहत में लगातार गिरावट बनी हुई थी। पिएत्रांजेली न केवल इटली के पहले ग्रैंड स्लैम विजेता थे, बल्कि वे उस दौर के सुपरस्टार भी थे, जब टेनिस को अभिजात वर्ग का खेल माना जाता था। अपनी करिश्माई पर्सनैलिटी, सिनेमा-जैसे लुक्स और बेहद खूबसूरत बैकहैंड की बदौलत उन्होंने टेनिस को इटली के घर-घर तक पहुंचाया। इटैलियन टेनिस फेडरेशन ने उन्हें 'इटली के टेनिस आंदोलन का पिता' कहते हुए श्रद्धांजलि दी।

1950 और 60 के दशक में पिएत्रांजेली क्ले कोर्ट पर बेमिसाल थे। उन्होंने 1959 और 1960 में फ्रेंच ओपन सिंगल्स, 1959 में डबल्स, और 1958 में मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता। 1960 के फ्रेंच ओपन फाइनल में उनका जज्बा आज भी टेनिस इतिहास का हिस्सा है—जब चिली के लुईस आयाला के लगातार ड्रॉप शॉट और लॉब के कारण उनके पैरों की त्वचा छिल गई, तब भी वे चोटिल पैरों पर ही पूरा मैच खेलकर जीत गए। पिएत्रांजेली ने अपने करियर में कुल 48 खिताब जीते, जिनमें 1957 और 1961 के रोम मास्टर्स भी शामिल हैं। हालांकि उनका सबसे बड़ा योगदान डेविस कप में माना जाता है, जहां उन्होंने 164 मैच खेले और 120 जीते, जो आज भी एक रिकॉर्ड है।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों से दिया इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। निर्णय पर बात करते हुए हरेंद्र सिंह ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, 'भारतीय महिला हॉकी टीम की कोचिंग करना मेरे करियर का एक विशेष सम्मान रहा है। हालांकि व्यक्तिगत कारणों से मुझे पद छोड़ना पड़ रहा है, लेकिन मेरा दिल हमेशा इस शानदार टीम और इसकी आगे की सफलता के साथ रहेगा। मैं हॉकी इंडिया के साथ अपनी यात्रा को हमेशा याद रखूंगा और भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के उनके प्रयासों का समर्थन करता रहूंगा। 'हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप तिर्की ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा, 'हम हरेंद्र सिंह को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए धन्यवाद देते हैं। भारतीय हॉकी के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता दुनिया भर में जानी

जाती है। हम जल्द ही एक उपयुक्त विकल्प की घोषणा करेंगे। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। ' हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'हम हरेंद्र सिंह के योगदान और समर्पण की सराहना करते हैं। हम उन्हें आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हैं और यह सुनिश्चित करते रहेंगे कि भारतीय महिला टीम की क्वालिफायर की तैयारियां पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार ही जारी रहें। '

10वीं ऑल इंडिया एसएसकेएफ कराटे चैंपियनशिपः आरबी मार्शल आर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने बिखेरी चमक, जीते 12 पदक

एजेंसी

वाराणसी। सेठ एम.आर. जयपुरिया, बाबतपुर कैंपस में 29-30 नवंबर 2025 को सम्पन्न 10वीं ऑल इंडिया एसएसकेएफ कराटे चैंपियनशिप में कनीन जुकु आरबी मार्शल आर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर कुल 12 पदक अपने नाम किए। विभिन्न वर्गों में उतरे नौ प्रतिभागियों ने 5 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य जीतकर अकादमी का परचम ऊंचा कर दिया। महिला वर्ग में खुशी मजूमदार और भूमि राय का प्रदर्शन सबसे अधिक प्रभावी रहा। खुशी ने काता में रजत पदक हासिल करने के बाद कुमिते में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण जीता। भूमि राय ने भी इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए काता में रजत और कुमिते में स्वर्ण पर कब्जा जमाया। पुरुष वर्ग में सिद्धांत राय ने काता में स्वर्ण और कुमिते में कांस्य पदक लेकर अपनी बहुमुखी क्षमता का परिचय दिया। शुचय मिश्रा ने काता वर्ग में शानदार अंदाज में स्वर्ण पदक जीता, जबकि देवेंद्र राय ने कुमिते में स्वर्ण प्राप्त किया। सुमित

कुमार ने कुमिते में रजत तथा साहुल वर्मा और रवि घोष ने कांस्य अपने नाम किया। टीम के युवा खिलाड़ी अभिषेक भट्ट ने भी कुमिते में मजबूत प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में सेंसई संतोष सोनकर और सेंसई अभिषेक चौरसिया ने आधिकारिक भूमिका निभाई, जबकि टीम का मार्गदर्शन कोच शिवेश शर्मा ने किया। खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धि से अकादमी में उत्साह का माहौल है और अभिभावकों ने पदक विजेताओं का स्वागत कर उनका मनोबल बढ़ाया।

केआईयूजी में तान्या चौधरी ने 64.29 मीटर थ्रो कर जीता हैमर थ्रो का स्वर्ण

एजेंसी

जयपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) राजस्थान 2025 के तीसरे दिन एथलेटिक्स स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की तान्या चौधरी सबसे बड़ा आकर्षण रहीं। तान्या ने महिलाओं की हैमर थ्रो में 64.29 मीटर का जोरदार थ्रो कर न सिर्फ स्वर्ण पदक जीता, बल्कि अपने ही बनाए ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी रिकॉर्ड को तोड़ते हुए नया मीट रिकॉर्ड भी स्थापित किया। यह उनका लगातार तीसरा केआईयूजी स्वर्ण है।

पंजाब यूनिवर्सिटी की हकीकत कौर ग्रेवा ने 51.90 मीटर थ्रो कर रजत पदक जीता, जबकि पंजाबी यूनिवर्सिटी की अमनदीप कौर ने कांस्य अपने नाम किया। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को महिलाओं की शॉट पुट में भी स्वर्ण मिला, जहां शिक्ष्या ने 15 मीटर का बेस्ट थ्रो दर्ज किया। कुल 13 स्वर्ण के साथ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी चौथे स्थान पर पहुंच गई

है। उधर, पदक तालिका में गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी 30 स्वर्ण, 10 रजत और 12 कांस्य के साथ लगातार शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

स्प्रिंट इवेंट्स में कीर्थना और देशाई का जलवा

शाम के सत्र में जैन यूनिवर्सिटी की कीर्थना ने महिलाओं की 100 मीटर दौड़ 11.94 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण पर कब्जा जमाया। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की टीना पारीक ने रजत और हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी की समृति जमवाल ने कांस्य जीता। पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा में शिवाजी यूनिवर्सिटी के रुशिप्रसाद देशाई सबसे आगे रहे। उन्होंने 10.53 सेकंड का समय निकालते हुए स्वर्ण हासिल किया। पुणे यूनिवर्सिटी के लौकिक मेलगे को रजत और सोमैया विद्याविहार के जय भोइर को कांस्य मिला।

लंबी दूरी की दौड़ में नई प्रतिभाओं की चमक

दिन की शुरुआत महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ से हुई, जिसमें रवींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी की बुशरा खान ने 18:15.27 का समय लेकर पहला स्वर्ण जीता। पुरुषों की 5000 मीटर रेस में लालित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी के त्रिलोक कुमार ने शीर्ष स्थान हासिल किया।

अन्य परिणामों में मुकाबलों का रोमांचःडिस्कस थ्रो में मैंगलोर यूनिवर्सिटी के नागेंद्र अन्नप्पा नाइक, पोल वॉल्ट में यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास के रीगन गणेशन और लंबी कूद में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया यूनिवर्सिटी की दीपांशी सिंह ने स्वर्ण पर कब्जा किया। बीच वॉलीबॉल में वीएलएस इंस्टीट्यूट (महिला) और एसआरएम यूनिवर्सिटी (पुरुष) ने स्वर्ण जीते। फुटबॉल में गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी और चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी महिला फाइनल में पहुंच गई हैं। हॉकी सेमीफाइनल में कीट यूनिवर्सिटी और आईटीएम यूनिवर्सिटी विजेता बनकर उभरीं। कुल मिलाकर, केआईयूजी राजस्थान 2025 के तीसरे दिन खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड, रफ्तार और रोमांच की नई लकीरें खींचीं।

मोनाल कप : सचिवालय ए और पैंथर्स ने जीते अपने-अपने मैच

एजेंसी

देहरादून। मोनाल कप 2025 में यहां महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में दो मैच खेले गए। पहला मैच सचिवालय ए और सुपर किंग्स के बीच खेला गया। सचिवालय ए ने पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 04 विकेट पर 197 रन बनाए। सागर कुमार ने शानदार 95 रन बनाए। नवीन रावत ने 02 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुपर किंग्स की टीम 13.4 ओवरों में 82 रन पर ऑल आउट हो गई। आशुतोष विमल, राहुल जेटली और सागर ने 02-02 विकेट लिए। इस तरह सचिवालय ए ने मैच 115 रन से जीत लिया। सागर कुमार को मैन ऑफ द मैच दिया गया।

ईगल्स बनाम पैंथर्सः दूसरा मैच ईगल्स और सचिवालय पैंथर्स के बीच खेला गया। ईगल्स पहले खेलते हुए 132 रनों पर ऑल आउट हो गई। भूपेंद्र बिष्ट ने शानदार 62 रन बनाए। विकास नेगी ने 05 विकेट लिए। सचिवालय पैंथर्स ने 14.5 ओवरों में 4 विकेट खोकर मैच जीत लिया। प्रमोद नेगी ने 67 रन बनाए। सुशील बिष्ट ने 02 विकेट लिए। इस तरह पैंथर्स ने मैच 06 विकेट से जीत लिया। प्रमोद नेगी मैन ऑफ द मैच बने।

राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स एंड स्नूकर चैम्पियनशिप में अली, अशर, शोभित, अनुभव और बिलाल अगले दौर में

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स और स्नूकर एसोसिएशन (यूपीबीएसए) के तत्वावधान में आयोजित राजा राम कुमार भार्गव स्मृति राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैम्पियनशिप में प्रयागराज के अली जहेब, लखनऊ के अशर अबरार, शोभित चंद्रा, अनुभव शुक्ला और अलीगढ़ के बिलाल जैदी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बना ली है।

बिशप जॉर्ज स्कूल एंड कॉलेज में प्रतियोगिता के सातवें दिन प्रयागराज के अली जहेब ने लखनऊ के रोहित गंगवार को हराया। अली ने पहला फ्रेम 69-2 से जीता। रोहित ने वापसी करते हुए दूसरा फ्रेम 54-17 से और फ्रेम 57-46 से जीतकर 2-1 की बढ़त ले ली। अली ने शानदार वापसी करते हुए चौथा फ्रेम 57-53

जीतकर मैच को 2-2 की बराबरी पर ला दिया। आखिरी फ्रेम में रोहित ने एक ब्राउन मिस कर दिया और अली को फ्रेम 63-49 से जीतने का मौका दे दिया।लखनऊ के अशर अबरार ने मोहम्मद वसीउल्लाह को 3-2 से हराया। पहले फ्रेम में वसीउल्लाह ने अशर के 39 के मुकाबले 63 स्कोर किया। अशर ने दूसरा फ्रेम एकतरफा करते हुए 84-1 अंक बनाये। वसीउल्लाह ने तीसरे फ्रेम में अच्छी वापसी की और उसे 64-53 से जीत लिया, लेकिन अशर ने अगला फ्रेम फिर से 70-21 से जीतकर मैच बराबरी कर ली। आखिरी फ्रेम में अशर ने 64-34 से जीत दर्ज करके वसीउल्लाह को 3-2 से हरा दिया। लखनऊ के शोभित चंद्रा ने प्रयागराज के मोहम्मद आमिर को 3-2 से हराया। अनुभवी शोभित ने अपनी क्यूइंग स्किल्स दिखाते हुए आमिर को 37-55, 87-31, 50-57, 68-10, 56-36 से हराया। लखनऊ के अनुभव शुक्ला ने प्रयागराज के पुष्पेंद्र सिंह को लगातार तीन फ्रेम 65-11, 51-11, 58-23 से हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। अलीगढ़ के बिलाल जैदी ने प्रयागराज के मोबिन खान को लगातार तीन फ्रेम 60-30, 50-43, और 56-32 से हराकर अगले दौर में अपनी जगह पक्की की।

हनुमानगंज एएस क्लब ने उद्घाटन मुकाबला जीता

एजेंसी

प्रयागराज। हनुमानगंज एएस क्लब ने दौलत हुसैन इंटर कॉलेज को चार विकेट से हराकर यश हॉस्पिटल क्रिस्टल ट्रॉफी अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत में अंशुल विश्वकर्मा और वामहस्त स्पिनर सौरभ तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दौलत हुसैन मैदान पर सोमवार से शुरू हुई प्रतियोगिता के पहले मैच में टॉस जीतकर दौलत हुसैन इंटर कॉलेज ने 29 ओवर में 117 रन (मोहम्मद हम्माद 32, अल्तमश 17, अब्दुल बासित 12, सौरभ तिवारी 5-20, मयंक यादव 3-11, अनुभव गुप्ता 2-13) बनाएम जवाब में हनुमानगंज एएस क्लब ने 16.2 ओवर में 6 विकेट पर 121 रन)अंशुल विश्वकर्मा 60, अब्दुल बासित 2-25, अरबाज खान, अबू रिमशा, मोहम्मद हम्माद व मोहम्मद आदिल एक-एक विकेट) बना लिए।

इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन केपी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सक्सेना ने मुख्य अतिथि का बुके देकर स्वागत किया। प्रतियोगिता अध्यक्ष मोहम्मद रिजवान ने धन्यवाद ज्ञापित और आयोजन सचिव परवेज़

सुशील सिन्हा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। पूर्व रणजी क्रिकेटर जावेद खान, कांग्रेस नेता सैयद शहाब विशिष्ट अतिथि रहे। प्रतियोगिता के संरक्षक डॉ. एके आलम ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर वजाहत महमूद, मुजस्सर चौधरी, मोहम्मद जेब फारान, धीरेंद्र कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

गाबा टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए बुरी खबर, पूरी तरह फिट नहीं है ओपनर बल्लेबाज

नई दिल्ली।ऑस्ट्रेलिया के ओपनर उस्मान ख्वाजा पूरी तरह फिट नहीं हैं, जबकि गाबा में दूसरे एशेज टेस्ट से सिर्फ तीन दिन पहले वे अपने घरेलू एशेज मैच खेलने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। पिछले हफ्ते पीठ में चोट लगने के बाद पहली बार ओपनर का टेस्ट हुआ। cricket.com.au की रिपोर्ट के मुताबिक फिटनेस टेस्ट के दौरान डॉक्टरों ने पास के नेट पर उन पर कड़ी नजर रखी। ख्वाजा को एशेज के पहले मैच के दौरान पीठ में ऐंठन हुई और उन्हें इंग्लैंड की पहली पारी में देर से मैदान छोड़ना पड़ा। वे पर्थ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में भी बैटिंग नहीं कर पाए। गाबा आउटफील्ड पर हल्की रनिंग ड्रिल के बाद ख्वाजा पिंक बॉल से 30 मिनट के नेट सेशन के दौरान कभी-कभी असहज दिखे। उन्होंने सिर्फ असिस्टेंट कोच माइकल डि वेनुटो के थ्रो-डाउन का सामना किया और आसान प्रैक्टिस विकेट पर पुल शॉट की प्रैक्टिस की। ख्वाजा की रनिंग ड्रिल के बाद मेडिकल स्टाफ ने कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड और सिलेक्टर जॉर्ज बेली से मुलाकात की जिसमें 40-मीटर स्प्रिंट और साइड-टू-साइड मूवमेंट शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया देखेगा कि ख्वाजा अपने कमबैक बैटिंग सेशन के बाद कैसा महसूस करते हैं। उनका मकसद है कि वह मंगलवार को मेन सेशन में और शायद बुधवार को अच्छी तरह से ट्रेनिंग करें।

ऐतिहासिक रही है भारत की एएफसी अंडर-17 एशियन कप 2026 के क्वालिफिकेशन की कहानी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल इस समय संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। घरेलू स्तर पर इंडियन सुपर लीग का भविष्य अनिश्चित है, तो वरिष्ठ राष्ट्रीय टीम भी 2027 एएफसी एशियन कप की क्वालिफिकेशन में असफल रही। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में देश के नन्हे सितारों ने भारतीय फुटबॉल को नई उम्मीद दी है। अंडर-17 टीम ने अहमदाबाद के ईकेए एरिना में ईरान को 2-1 से मात देकर सीधे 2026 एएफसी अंडर-17 एशियन कप के लिए जगह पक्की की।

ग्रुप डी में भारत का मुकाबला ईरान, लेबनान, फिलिस्तीन और चीनी ताइपे जैसे दमदार विरोधियों से था। चार मैचों में संघर्ष, निराशा, वापसी और ऐतिहासिक जीत के सफर ने इस क्वालिफिकेशन अभियान को यादगार बना दिया।

फिलिस्तीन बनाम भारतः आत्मविश्वास से भरी शुरुआत, लेकिन जीत हाथ से फिसली

अहमदाबाद में फिलिस्तीन के खिलाफ पहले मैच में भारत ने मजबूत शुरुआत की। दलालमुइन गांगटे, डायमंड सिंह थोखचोम और डेनी सिंह के नियंत्रण में मिडफील्ड रहा। आज़लान शाह और गुनलेइबा वांगखेइरकपम की तेज़ रफ्तार ने फिलिस्तीन की डिफेंस को बार-बार परेशान किया। पहले हाफ के अंत में आज़लान शाह के कॉर्नर पर मची अफरातफरी में शुबहम पूनिया ने मौका भांपकर गोल दाग दिया। हालाँकि, दूसरे हाफ में फिलिस्तीन ने वापसी की और 73वें मिनट में अमीर जोमह के व्यक्तिगत कौशल ने मैच 1-1 से बराबरी पर खत्म किया।पहले मैच में ड्रॉ के बाद भारत को जीत की सख्त ज़रूरत थी, और

कप्तान दलालमुइन गांगटे ने हैट्रिक लगाकर टीम को 3-1 से जीत दिलाई। शुरुआत कमजोर रही, जब महज़ चौथे मिनट में यांग हाओ-हेई ने चीनी ताइपे को बढ़त दिला दी। लेकिन भारत ने संयम और रणनीति के साथ खेलते हुए 32वें मिनट में बराबरी हासिल की। दूसरे हाफ में भारत ने पूर्ण नियंत्रण दिखाया और गांगटे ने 77वें और 79वें मिनट में दो शानदार गोल दागकर मैच को अपने नाम किया। लगातार सुधार के बाद भारत से लेबनान के खिलाफ अच्छे परिणाम की उम्मीद थी, लेकिन 0-2 की हार ने झटका दिया। एंटोनी अस्साफ और पॉल माकरौन के दो गोलों ने भारत को रक्षात्मक कमज़ोरियों का एहसास कराया। गुनलेइबा वांगखेइरकपम ने एक बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन गोलकीपर जेसन फिनियानोस ने उनकी कोशिश को नाकाम किया। इस हार के बाद स्थिति साफ थी—भारत को आखिरी मुकाबले में ईरान को हराना ही होगा। अंतिम मुकाबला था 'करो या मरो'। ईरान को केवल ड्रॉ चाहिए था, भारत को जीत। 19वें मिनट में अमीरेज़ा वालीपूर के गोल ने भारत की चुनौती को और कठिन बना दिया। हाफ टाइम से ठीक पहले हीरंगनबा सेरम पर फाउल हुआ, और कप्तान गांगटे ने दबाव में ढलकर पेनल्टी को गोल में तब्दील किया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही 52वें मिनट में अमिर्महन अफरूज़ियानी की गलती का फायदा उठाते हुए गुनलेइबा वांगखेइरकपम ने भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम क्षणों में ईरान ने पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने अद्भुत धैर्य और साहस के साथ अपनी बढ़त बचाए रखी। पूरे अभियान में यदि कोई खिलाड़ी सबसे अधिक चमका, तो वह थे कप्तान दलालमुइन गांगटे।

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट नजर आ रही है। सोने की कीमत में कमजोरी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,29,810 रुपये से लेकर 1,29,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,18,990 रुपये से लेकर 1,19,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,29,960 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,29,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,29,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,29,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

बदरीनाथ नगर पंचायत ने यात्रा काल में एकत्र कूड़े से कमाए आठ लाख रुपये

देहरादून। बदरीनाथ धाम यात्रा के दौरान यहां एकत्र कूड़े को नगर पंचायत बदरीनाथ ने अपनी समृद्धि का जरिया बना लिया है। नगर पंचायत ने इस कूड़े का विपणन कर 8 लाख से अधिक की आय अर्जित की है, जो अब जनपद की अन्य नगरपालिकाओं और पंचायतों के लिए भी मॉडल के रूप बन सकता है। बदरीनाथ धाम में सफाई व्यवस्था का जिम्मा नगर पंचायत के पास है। जिसके लिए पंचायत की ओर से जहां प्रतिवर्ष यात्राकाल में यहां पर्यावरण मित्रों की तैनाती की जाती है। वहीं कूड़ा निस्तारण के लिए एम आर एफ सेंटर, कॉम्पेक्टर मशीन, ऑर्गेनिक वेस्ट कनवर्टर मशीन के साथ ही अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। जिनके माध्यम से एक ओर नगर पंचायत की ओर से प्लास्टिक और अन्य कचरे के ब्लॉक बनाकर विपणन किया जाता है। वहीं खाद्य सामग्री के कचरे से कम्पोस्ट खाद बनाकर बेचा जा रहा है। जिससे धाम में सफाई व्यवस्था को चाक चौबंद रखने के साथ पंचायत को अच्छी खासी आय भी प्राप्त हो रही है। इस यात्राकाल में बदरीनाथ नगर पंचायत ने कुल 230 टन कूड़े का निस्तारण किया है। जबकि 133 टन सूखे के ब्लाक और 97 गीले कूड़े की कम्पोस्ट खाद बनाकर 8 लाख 89 हजार 598 रुपए की आय अर्जित की है।

लोकसभा से मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025 पारित

नई दिल्ली। लोकसभा ने मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक-2025 को पास कर दिया है। यह विधेयक अध्यादेश की जगह लेगा। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही 02 दिसंबर तक के लिए स्थगित हो गई, जो मंगलवार सुबह 11:00 बजे फिर से शुरू होगी। इससे पहले संसद की शीतकालीन सत्र के पहले दिन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में सेंट्रल एक्साइज (अमेंडमेंट) बिल, 2025, नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 और मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक-2025 को पेश किया। मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक-2025, मणिपुर गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (दूसरा संशोधन) अध?यादेश की जगह लेगा, जिसे 7 अक्टूबर, 2025 को जारी किया गया था। वित्त मंत्री ने इससे पहले लोकसभा में हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 पेश किया। यह विधेयक नेशनल सिक्योरिटी और पब्लिक हेल्थ पर होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए रिसोर्स बढ़ाने और इन मकसदों के लिए उन मशीनों या दूसरे प्रोसेस पर सेस लगाने के लिए है, जिनसे कुछ सामान बनाया या प्रोड्यूस किया जाता है और उससे जुड़े या उससे जुड़े मामलों के लिए है। इसके अलावा सीतारमण ने संसद के निचले सदन लोकसभा में सेंट्रल एक्साइज (अमेंडमेंट) बिल, 2025 पेश किया। ये विधेयक सेंट्रल एक्साइज एक्ट, 1944 में और बदलाव करेगा।

चावल, चीनी, दालों में तेजी; गेहूं स्थिर; खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। आवक कम रहने से दालों और चीनी में भी तेजी रही। गेहूं की कीमत कमोबेश स्थिर रही जबकि खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 105 रुपये बढ़कर 3,840.99 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,858.40 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटे की कीमत 20 रुपये टूट गयी। दाल-दलहनों के भाव चढ़ गये। मसूर दाल औसतन 160 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। तुअर दाल की कीमत 211 रुपये और उड़द दाल की 67 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल 152 रुपये और मूंग दाल 137 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा 21 रिंगिट फिसलकर 4,093 रिंगिट प्रति टन रह गया। जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.35 प्रतिशत की गिरावट में 51.84 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल औसतन 113 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट को आईपीओ के लिए सेबी से मिली अंतिम मंजूरी

एजेंसी

मुंबई। देश की बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड (आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल) को पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए अंतिम मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 8 जुलाई 2025 को सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया था। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने एक बयान में बताया कि उसके आईपीओ के लिए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के साथ अंतिम मंजूरी पर मुहर लग गई है। यह आईपीओ पूरी तरह से प्रमोटर प्रूडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स लिमिटेड की ओर से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा। बोनस इश्यू होने के बाद प्रमोटर अधिकतम 4.94 करोड़ इक्विटी शेयर (1 रुपये फेस वैल्यू प्रत्येक) बेच सकेगा। कंपनी का म्यूचुअल फंड का

तिमाही औसत एयूएम 8.79 लाख करोड़ रुपये है, जो बाजार में सबसे अधिक है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड जल्द ही आईपीओ की तारीखों की घोषणा कर सकती है। यह चालू वित्त वर्ष 2025-26 का सबसे बड़ा एएमसी आईपीओ हो सकता है। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस की तारीख तक कंपनी का जारी, सब्सक्राइब और पेड-अप शेयर कैपिटल एक रुपये के 17,652,090 शेयर हैं। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया, मॉर्गन स्टैनली इंडिया, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया, एक्सिस कैपिटल, सीएलएसए इंडिया, आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज, कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी, नोमुरा फाइनेंशियल एडवाइजरी, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स, गोल्डमैन सैश (इंडिया), अवेंडस कैपिटल, बीएनपी पारिबा, एचडीएफसी बैंक, जेएम फाइनेंशियल, मोतीलाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स, नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट और यूबीएस सिक्योरिटीज इंडिया इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। उल्लेखनीय है कि आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट आईसीआईसीआई बैंक और ब्रिटेन की प्रूडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स के बीच 1998 से चल रहा एक संयुक्त उद्यम है। क्रिसिल रिपोर्ट के मुताबिक 31 मार्च 2025 तक कंपनी का म्यूचुअल फंड क्वार्टरली एवरेज एयूएम (क्यूएएयूएम) 8.79 लाख करोड़ रुपये था, जिसके आधार पर उसकी बाजार हिस्सेदारी 13.3 फीसदी है, जो देश में सर्वाधिक है।

सरकार ने कोयला, लिग्नाइट की खोज के लिए मंजूरी की प्रक्रिया को बनाया सरल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक से संबंधित अन्वेषण कार्यक्रमों एवं भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के लिए अनुमोदन की प्रक्रिया को सरल बना दिया है। नई प्रक्रिया के तहत अब 2022 में इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समिति से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक से संबंधित अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। इस कदम का मकसद कारोबार सुगमता को बढ़ाना और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देना है। कोयला मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित नई कार्यप्रणाली इसकी वेबसाइट https://www.coal.nic.in/sites/default/files/2025-12/01-12-2025a-wn.pdf पर उपलब्ध है। मंत्रालय के मुताबिक कोयला मंत्रालय ने पहले की कार्यप्रणाली की समीक्षा की है। क्यूसीआई-एनएबीईटी के द्वारा मान्यता प्राप्त एवं अन्य एपीए द्वारा समकक्ष समीक्षा प्राप्त अधिसूचित मान्यता प्राप्त अन्वेषण एजेंसियों (एपीए) द्वारा तैयार कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक के लिए अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट (जीआर) के अनुमोदन के लिए तंत्र को सरल बनाया गया है। कोयला मंत्रालय ने बताया कि? देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के लिए कोयला व लिग्नाइट संसाधनों का तेज, अधिक कुशल और प्रौद्योगिकी रूप से मजबूत अन्वेषण जरूरी है। इसके अनुरूप, कोयला मंत्रालय प्रगतिशील सुधारों को लागू करना जारी रखे हुए है जो पारदर्शिता को बढ़ाते हैं, निजी क्षेत्र की भागीदारी को मजबूत करते हैं और देश की ऊर्जा तैयारियों को सुदृढ़ करते हैं।

सकल जीएसटी राजस्व संग्रह नवंबर में 0.7 फीसदी बढ़कर 1.70 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह नवंबर में 0.7 फीसदी की मामूली वृद्धि के साथ 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल नवंबर में जीएसटी राजस?व संग्रह 1.69 लाख करोड़ रुपये से कुछ अधिक रहा था। घरेलू राजस्व में गिरावट के कारण जीएसटी संग्रह कम हुआ है। जीएसटी महानिदेशालय ने बताया कि नवंबर में देश का जीएसटी राजस्व संग्रह 1,70,276 करोड़ रुपये रहा, जो नवंबर, 2024 की तुलना में 0.7 फीसदी अधिक है। वहीं, कुल नेट जीएसटी राजस?व संग्रह 1.3 फीसदी बढ़कर 1.52 लाख करोड़ रुपये हो गया। पिछले महीने अक्टूबर में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 4.6 फीसदी बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया था, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 1.87 लाख करोड़ रहा था। नवंबर महीने के 1,70,276 करोड़ रुपये के कुल जीएसटी राजस्व संग्रह में से सीजीएसटी 34,843 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 42,522 करोड़ रुपये और आईजीएसटी 92,910 करोड़

रुपये शामिल है। वहीं, 1.52 लाख करोड़ रुपये के नेट जीएसटी राजस्व संग्रह में सीजीएसटी 32,664 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 39,805 करोड़ रुपये और आईजीएसटी 79,611 करोड़ रुपये शामिल है। जीएसटी महानिदेशालय के मुताबिक नवंबर में सकल घरेलू राजस्व 2.3 फीसदी घटकर 1.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। यह गिरावट 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी के बाद आई है। वस्तुओं के आयात से राजस्व 10.2 फीसदी बढ़कर 45,976 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुई हैं। उल्लेखनीय है कि नवंबर महीने में कुल रिफंड में चार फीसदी की गिरावट देखी गई है, जो 18,196 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 18,954 करोड़ रुपये रहा था।

पश्चिम बंगाल में महंगी हुई शराब, सरकार को चार हजार करोड़ की अतिरिक्त आय की उम्मीद

एजेंसी

कोलकाता। राज्य सरकार की पूर्व घोषणा के अनुसार एक दिसंबर से पश्चिम बंगाल में शराब की कीमतों में बढ़ोतरी लागू हो गई है। नए नियम के तहत राज्य में नया आबकारी शुल्क प्रभावी हो गया है। पश्चिम बंगाल के आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि बीयर को छोड़कर देशी व विदेशी सभी तरह की शराब पर अतिरिक्त टैक्स लगाया गया है। आबकारी विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, नई नीति में 750 मिलीलीटर विदेशी शराब की बोतलें 30-40 रुपये तक महंगी हो गई हैं। वहीं 180 मिलीलीटर पैक पर 10 रुपये की वृद्धि की गई है। देशी शराब खरीदने पर भी उपभोक्ताओं को लगभग 10 रुपये अतिरिक्त चुकाने होंगे। विभाग ने शराब विक्रेताओं को पहले ही निर्देश दिया था कि उनके पास मौजूद पुराने स्टॉक को 30 नवंबर तक पुरानी कीमतों में बेच देना होगा। एक दिसंबर से पुराने स्टॉक समेत नया माल भी नई कीमतों पर ही बेचा जाएगा। इसके

लिए प्रत्येक बोतल पर नई कीमत का स्टिकर लगाना अनिवार्य है।पुरानी कीमत पर शराब बेचते पकड़े जाने पर विक्रेता के खिलाफ जुर्माना, यहां तक कि लाइसेंस रद्द करने तक की सख्त कार्रवाई की जा सकती है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले चुनावों से पहले राज्य की राजस्व-आय बढ़ाने के उद्देश्य से ममता बनर्जी सरकार ने यह कदम उठाया है। प्रशासनिक अधिकारियों के एक वर्ग का कहना है कि इस बढ़ोतरी से 2025-26 वित्त वर्ष में करीब चार हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त राजस्व आय होने की संभावना है। राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि बढ़े हुए राजस्व का उपयोग सरकार विकास योजनाओं में आवंटित कर सकती है। अगले साल चुनाव से पहले राज्य सरकार का अंतरिम बजट पेश होना है, जिसमें इस अतिरिक्त आय को विकास परियोजनाओं में खर्च करने की घोषणा की जा सकती है। यही वजह बताई जा रही है कि राज्य में शराब के दामों में वृद्धि की गई है।

साईं पैरेंटरल लिमिटेड ने ऑस्ट्रेलिया की नौमेड फार्मा को 125 करोड़ रुपये में खरीदा

एजेंसी

नई दिल्ली। हैदराबाद की फार्मास्युटिकल कंपनी साईं पैरेंटरल लिमिटेड (एसपीएल) ने ऑस्ट्रेलिया की नौमेड फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का 125 करोड़ रुपये में अधिग्रहण कर लिया है। यह 60 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की रेवेन्यू वाली एक कंपनी है, जो ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में फार्मेसी चेन को प्राइवेट लेबल ओवर द काउंटर (ओटीसी) प्रोडक्ट्स की सप्लायर है। एसपीएल ने एडिलेड की फार्मास्यूटिकल कंपनी नौमेड फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड में 74.6 फीसदी कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की, जिसकी कुल कीमत भारतीय मुद्रा में 125 करोड़ रुपये है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल केके ने कहा कि यह अधिग्रहण ग्लोबल, इनोवेशन-लेड फॉर्मूलेशन और सीडीएमओ प्लेटफॉर्म बनने की हमारी यात्रा में एक अहम और बदलाव लाने वाला

मील का पत्थर है।

कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर मार्क थुलबोर्न ने कहा कि हम इस स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को फॉर्मल बनाने के लिए उत्साहित हैं। साईं पैरेंटरल के साथ काफी समय तक काम करने के बाद हमें भरोसा है कि हम मिलकर अपने प्रोडक्ट पाइपलाइन को तेज़ कर सकते हैं। साईं पैरेंटरल लिमिटेड ने 30 सितंबर को पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड सेबी के समक्ष अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी पांच रुपये प्रति इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू वाले इस ऑफर में 285 करोड़ रुपये तक का फ्रेश इश्यू और मौजूदा शेयरहोल्डर्स द्वारा 3,500,000 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। साईं पैरेंटरल लिमिटेड (एसपीएल) एक भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनी है। यह एक डायवर्सिफाइड फार्मास्यूटिकल फॉर्मूलेशन कंपनी भी है, जो विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों के लिए पैरेंटरल फॉर्मूलेशन (इंजेक्टेबल दवाएं) के निर्माण में विशेषज्ञता भी रखती है। यह ब्रांडेड जेनेरिक फॉर्मूलेशन और कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन (सीडीएमओ) सेवाओं के क्षेत्रों में काम करती है। कंपनी की स्थापना 2001 में हुई थी और यह डब्ल्यूएचओ-जीएमपी और आईएसओ प्रमाणित है।

विमान ईंधन की कीमत 5.4 फीसदी बढ़ी, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 5.4 फीसदी का इजाफा किया है। तेल कंपनियों ने वैश्विक रुझानों के अनुरूप एटीएफ में मासिक मूल्य संशोधन की घोषणा की है। हालांकि, मूल्य परिवर्तन के प्रभाव पर विमानन कंपनियों से तत्काल कोई टिप्पणियां नहीं मिल पाई है। नई दरें सोमवार से प्रभावी हो गयी हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक एटीएफ के दाम में इजाफा के बाद नई दिल्ली में विमान ईंधन की कीमत 5,133.75 रुपये

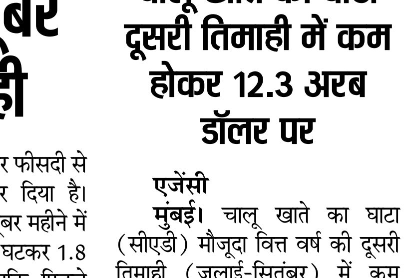

बढ़कर 99,676.77 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। वहीं, मुंबई में एटीएफ की कीमत 93,281.04 रुपये प्रति किलोलीटर, जबकि चेन्नई और कोलकाता में कीमतें क्रमशः 1,03,301.80 रुपये और 1,02,371 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई हैं। उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम हर महीने की पहली तारीख को अंतरराष्ट्रीय मानकों और विनिमय दर के आधार पर विमान ईंधन की कीमतों में संशोधन करती हैं। स्थानीय करों के कारण ईंधन की कीमतें अलग-अलग शहरों में अलग-अलग होती हैं।

डॉलर की तुलना में रुपये ने बनाया ऑल टाइम लो का नया रिकॉर्ड, 10 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुई भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों, स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और डॉलर की मांग बढ़ने का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में कमजोर होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज 34 पैसे फिसल कर 89.79 रुपये प्रति डॉलर के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। हालांकि, बाद में बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपये की स्थिति में सुधार हुआ। पूरे दिन के उतार चढ़ाव के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 10 पैसे की कमजोरी के साथ 89.55 (अनंतिम) के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 89.45 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के

कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 2 पैसे की तेजी के साथ 89.43 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपया और 1 पैसे की मजबूती के साथ 89.42 के स्तर तक पहुंचा। हालांकि थोड़ी देर बाद ही निगेटिव सेंटिमेंट्स बन जाने और डॉलर की मांग में तेजी आ जाने के कारण भारतीय मुद्रा लुढ़क कर ऑल टाइम लो का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 89.79 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक गिर गई। दोपहर के बाद मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग घटने के कारण रुपये की स्थिति में कुछ सुधार हुआ, जिसके कारण भारतीय मुद्रा 10 पैसे की कमजोरी के साथ 89.55 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 34.15 पैसे की कमजोरी के साथ 118.51 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 59.96 पैसे की गिरावट के साथ 104.08 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ। आपको बता दें कि साल 2025 में रुपया डॉलर की तुलना में 4.77 प्रतिशत तक कमजोर हो चुका है। इस साल के पहले दिन 1 जनवरी को भारतीय मुद्रा 85.70 रुपये के स्तर पर थी, जो अब 89.79 के स्तर तक फिसल चुकी है। इस साल रुपये 2022 के बाद सबसे बड़ी गिरावट आई है। इसकी वजह से इस साल रुपया डॉलर की तुलना में सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन करने वाली करेंसियों में शामिल हो गया है। मौजूदा कैलेंडर इयर में रुपये ने मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देशों में से सिर्फ अर्जेंटीन के पेसो और टर्किश लीरा से ही बेहतर प्रदर्शन किया है।

औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर अक्टूबर महीने में घटकर 0.4 फीसदी पर रही

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर अक्टूबर महीने में घटकर 0.4 फीसदी पर रही, जो 13 महीने का निचले स्तर है। पिछले साल की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन 3.7 फीसदी की दर से बढ़ा था। बिजली और खनन क्षेत्र के कमजोर प्रदर्शन से औद्योगिक उत?पादन में गिरावट आई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बताया कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित देश की औद्योगिक उत्पादन दर अक्टूबर में विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से घटकर 13 महीने के सबसे निचले स्तर 0.4 फीसदी पर आ गई। इससे पिछले महीने सितंबर और अगस्त में 4 फीसदी और जुलाई में 3.5 फीसदी और जून में 1.5 फीसदी रही थी। आंकड़ों के मुताबिक औद्योगिक

उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी है। आईआईपी का पिछला निचला स्तर सितंबर, 2024 में दर्ज किया गया था, जब यह स्थिर रहा था। इसके साथ ही एनएसओ ने सितंबर, 2025 के आंकड़ों को संशोधित करते हुए आईआईपी वृद्धि दर को चार फीसदी से बढ़ाकर 4.6 फीसदी कर दिया है। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर महीने में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 1.8 फीसदी पर आ गई, जबकि पिछले साल यह 4.4 फीसदी थी। अक्टूबर में खनन क्षेत्र के उत्पादन में 1.8 फीसदी की गिरावट आई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 0.9 फीसदी बढ़ा था। इस दौरान बिजली उत्पादन में भी 6.9 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि पिछले साल यह दो फीसदी बढ़ा था। इसके साथ वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में देश के औद्योगिक उत्पादन में कुल 2.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह चार फीसदी थी।

चालू खाते का घाटा दूसरी तिमाही में कम होकर 12.3 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। चालू खाते का घाटा (सीएडी) मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में कम होकर 12.3 अरब डॉलर रह गया जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.3 प्रतिशत है। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सीएडी 20.8 अरब

डॉलर (जीडीपी का 2.2 प्रतिशत) रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों में बताया गया है कि वस्तु व्यापार घाटा 87.4 अरब डॉलर रहा। यह एक साल पहले 88.5 अरब डॉलर था। वहीं, सेवाओं के निर्यात से प्राप्त शुद्ध आय 44.5 अरब डॉलर से बढ़कर 50.9 अरब डॉलर पर पहुंच गयी। शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़कर 2.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) नकारात्मक रहा है और एफपीआई निवेशकों ने 5.7 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी की है। अनिवासी भारतीयों की निवेश एक साल पहले के 6.2 अरब डॉलर से घटकर 2.5 अरब डॉलर रह गया।

मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला शेयर बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी गिरे

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती का नया रिकार्ड बनाने के बाद बिकवाली के दबाव में फंस कर कमजोरी के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। निफ्टी ने ऑल टाइम हाई के नए रिकॉर्ड से कारोबार की शुरुआत की, जबकि सेंसेक्स बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही ऑल टाइम हाई का नया रिकार्ड बनाने में सफल रहा। इसके बाद ग्लोबल मार्केट के कमजोर संकेत, रुपये की कमजोरी, ब्याज दर में कटौती को लेकर बनी आशंका, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के कारण शेयर बाजार में निगेटिव सेंटीमेंट्स हावी हो गए। इस वजह से बाजार अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत और निफ्टी 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटो सेक्टर के शेयरों में नवंबर के अच्छे आंकड़ों की वजह से लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरफ मेटल, आईटी, कैपिटल गुड्स, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, हेल्थ केयर, फार्मास्यूटिकल्स और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इनके अलावा बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशक आखिरकार फायदे में ही रहे। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 474.48 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 474.35 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 13 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,455 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,842 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,401 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 212 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,856 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,231 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,625 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 359.25 अंक की मजबूती के साथ 86,065.92 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक 452.35 अंक की तेजी के साथ 86,159.02 अंक के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। खासकर, दोपहर 11:30 बजे के बाद बिकवाली का दबाव काफी तेज हो गया, जिसके कारण शाम 3 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 669.37 अंक टूट कर 217.02 अंक की कमजोरी के साथ 85,489.65 अंक तक गिर गया। कारोबार के आखिरी आधे घंटे में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से डेढ़ सौ अंक से अधिक की रिकवरी करके 64.77 अंक की गिरावट के साथ 85,641.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 122.85 अंक उछल कर 26,325.80 अंक के नए ऑल टाइम हाई लेवल से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में मामूली गिरावट भी आई।

चीन ने जापान से ऐतिहासिक गलतियों पर गंभीर आत्मनिरीक्षण करने का किया आग्रह

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने जापान से अपने अतीत पर गहराई से आत्मनिरीक्षण करने, अपनी अनाप-शनाप टिप्पणियों को वापस लेने और ठोस कार्रवाई के माध्यम से चीन के प्रति अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को प्रदर्शित करने का आग्रह किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक नियमित समाचार ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'अत्यधिक महत्व के मुद्दों पर, जापानी पक्ष को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि वे टाल-मटोल कर सकते हैं। '

एक दिन में पाकिस्तान और ईरान से निकाले गए 4000 अफगान रिफ्यूजी

काबुल । 4000 से ज्यादा अफगान शरणार्थियों को ईरान और पाकिस्तान ने एक ही दिन में चलता कर दिया। इन्हें जबरदस्ती देश से निकाला गया और इसकी जानकारी तालिबान के हवाले से अफगान मीडिया ने दी। पझवोक अफगान न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में तालिबान के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत के एक्स पोस्ट का जिक्र किया। फितरत ने सोशल प्लेटफॉर्म पर प्रवासी मुद्दों को सुलझाने के लिए गठित उच्चायुक्त की रिपोर्ट शेयर की, जिसमें रविवार को 4,834 सदस्यों वाले 1,053 परिवारों के अफगानिस्तान लौटने का जिक्र था। पोस्ट के मुताबिक, रिफ्यूजी नंगरहार में तोरखम क्रॉसिंग, हेरात में इस्लाम कला क्रॉसिंग, निमरोज में पुल-ए-अब्रेशम, कंधार में स्पिन बोल्डक और हेलमंद में बहरामचा के जरिए अफगानिस्तान में दाखिल हुए। फितरत ने कहा कि 6,566 सदस्यों वाले 1,160 परिवारों को उनके अपने इलाकों में ले जाया गया, जबकि 780 परिवारों को मानवीय मदद दी गई। इसके अलावा, अफगानिस्तान लौटने वाले अफगान रिफ्यूजी को 827 सिम कार्ड दिए गए। हमदुल्ला फितरत ने कहा कि शनिवार को पाकिस्तान और ईरान से 1,188 परिवारों (जिनमें 6,553 लोग शामिल थे) को जबरदस्ती अफगानिस्तान वापस भेज दिया गया।

भ्रष्टाचार मामले में शेख हसीना और उनके परिवार की बढ़ी मुसीबत, कोर्ट ने सुनाई 5 साल की सजा

ढाका । बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुसीबतें लगातार बढ़ती ही जा रही हैं। बांग्लादेश की एक अदालत ने हसीना को पुर्बाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट के तहत प्लॉट के बंटवारे में गड़बड़ी के लिए पांच साल जेल की सजा सुनाई। शेख हसीना की बहन शेख रेहाना को सात साल की सजा सुनाई गई। वहीं हसीना की भतीजी और ब्रिटेन की सांसद ट्यूलिप सिद्दीक को दो साल की सजा सुनाई गई है। ढाका के स्पेशल जज कोर्ट-4 के जस्टिस मोहम्मद रबीउल आलम ने कोर्ट परिसर के बाहर कड़ी सुरक्षा के बीच तीनों आरोपियों की गैरमौजूदगी में ये फैसला सुनाया। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार ने बताया कि इसी मामले में 14 दूसरे आरोपियों को पांच-पांच साल की जेल हुई। सजा के अलावा शेख हसीना, रेहाना और ट्यूलिप समेत सभी 17 आरोपियों पर 1 लाख बांग्लादेशी टका का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न देने पर उनकी सजा छह महीने के लिए और बढ़ जाएगी।बता दें कि बांग्लादेश के एंटी-करप्शन कमीशन (एसीसी) ने 12 से 14 जनवरी के बीच ढाका इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट ऑफिस-1 में प्लॉट बंटवारे में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए छह अलग-अलग केस दर्ज किए थे। इससे पहले ढाका कोर्ट की तरफ से 27 नवंबर को हसीना को भ्रष्टाचार के तीन मामलों में 21 साल की सजा सुनाई थी। एसीसी ने पुर्बाचल प्रोजेक्ट के तहत प्लॉट के अलॉटमेंट में गड़बड़ी को लेकर भ्रष्टाचार के तीन मामले में शिकायत दर्ज की थी।

बांग्लादेशः बेगम खालिदा जिया की हालत बिगड़ी, वेंटिलेटर पर पूर्व पीएम

ढाका । बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक हैं और उन्हें वेंटिलेटर पर शिफ्ट किया गया है। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार अभी भी उनका इलाज एवरकेयर हॉस्पिटल के कोरोनरी केयर यूनिट में चल रहा है। 23 नवंबर को उन्हें भर्ती कराया गया था। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, बीएनपी के उपाध्यक्ष एडवोकेट अहमद आजम खान ने बताया, 'बेगम जिया की हालत फिर से क्रिटिकल हो गई है। वह रविवार रात से वेंटिलेशन सपोर्ट पर हैं।' हाल ही में उन्हें विदेश भेजने की भी तैयारी थी लेकिन लगातार बिगड़ती तबियत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें एयरलिफ्ट न कराने की हिदायत दी थी।

शनिवार देर रात बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खालिदा जिया की सेहत को लेकर अपडेट दिया था। उन्होंने कहा था कि उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है और वह नाजुक स्थिति में बनी हुई हैं। 80 साल की पूर्व प्रधानमंत्री कई बीमारियों से जूझ रही हैं, जिनमें दिल की समस्याएं, डायबिटीज, आर्थराइटिस, लिवर सिरोसिस और किडनी की परेशानी शामिल हैं। बीएनपी चीफ के बेटे तारिक रहमान के सलाहकार और पार्टी प्रवक्ता महेदी अमीन ने फेसबुक पोस्ट में कहा था कि खालिदा जिया के विदेश में इलाज की तैयारी चल रही है।

संयुक्त राष्ट्र से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील

एजेंसी

जिनेवा। दुनिया भर के मानवाधिकार संगठनों और प्रवासी समुदायों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ते हिंसक हमलों और उत्पीड़न का मुद्दा गंभीरता से उठाया। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के मुख्यालय में अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर यहां आयोजित 18वें सत्र में हिस्सा लेते हुए इन संगठनों के प्रतिनिधियों ने बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध, ईसाई और आदिवासी समूहों पर हो रहे हमलों का विस्तृत विवरण पेश करते हुए चिंता जतायी। सभी संगठनों ने संयुक्त राष्ट्र से तत्काल हस्तक्षेप कर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। सत्र में अपना पक्ष रखने वाले संगठनों में ब्यूरो ऑफ ह्यूमन राइट्स एंड जस्टिस (बीएचआरजे), केअर्स ग्लोबल, एनआईसीई फाउंडेशन, ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश

(एचआरसीबीएम), फ्रांस की जस्टिस मेकर्स बांग्लादेश (जेएमबीएफ), स्विट्जरलैंड की सेक्युलर बांग्लादेशी डायस्पोरा, ग्लोबल डायस्पोरा कम्युनिटी (बांग्लादेश), ऑल यूरोपियन मुक्ति योद्धा संगठन, इंटरनेशनल फोरम फॉर सेक्युलर बांग्लादेश (स्विट्जरलैंड), प्रोबाशी टांगाइल कल्चर फ्रैंकफर्ट आदि संस्थाएं शामिल रहीं। वक्ताओं ने कहा कि 1971 में स्वतंत्रता के बाद से ही बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय सामाजिक और प्रशासनिक भेदभाव में जी रहे हैं, लेकिन 2024 के बाद स्थिति अत्यंत भयावह रूप धारण कर चुकी है। अगस्त 2024 में हसीना सरकार के पतन के बाद प्रो. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत कट्टरपंथी तत्वों के प्रभाव में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और भी कमजोर पड़ी है। मानवाधिकार समूहों के अनुसार पिछले एक वर्ष में 154 हिंदुओं की हत्या, 197 महिलाओं के साथ दुष्कर्म और हजारों घरों एवं व्यवसायों पर हमले, तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुईं। सैंकड़ों मंदिर और चर्चों को निशाना बनाया गया। सितंबर 2024 में खागराजारी और रंगामाटी में पहाड़ी जनजातियों पर हुए हमलों में छह लोगों की मौत और सौ से अधिक घायलों की पुष्टि की गई, जबकि 375 से अधिक दुकानों को लूटा गया।

काठमांडू में 74 करोड़ रुपये के क्रिप्टो करेंसी कारोबार में दो लोग गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। पुलिस ने 74 करोड़ रुपये के क्रिप्टो करेंसी कारोबार में संलिप्त दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इस एक हफ्ते में क्रिप्टो कारोबार में यह दूसरी बड़ी गिरफ्तारी है। पुलिस अधीक्षक पवन कुमार भट्टाराई के अनुसार मूल रूप से मोरंग के रहने वाले काठमांडू निवासी 36 वर्षीय विशाल डंगोल और काठमांडू के कलंकी में निवास कर रहे 45 वर्षीय उमेश श्रेष्ठ को गिरफ्तार किया गया है। विशेष सूचना के आधार पर काठमांडू जिला पुलिस परिसर की टीम ने बिजुलीबजार क्षेत्र से इन दोनों लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने क्रिप्टो लेनदेन में उपयोग किए गए पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। भट्टाराई ने बताया कि मामले की आगे जांच जारी है। उन्होंने बताया कि इस हफ्ते की अब दूसरी बड़ी गिरफ्तारी है। पिछली बार क्रिप्टो कारोबार में संलग्न दो युवाओं की गिरफ्तारी के बाद आज यह गिरफ्तारी हुई है।

प्रधानमंत्री सुशीला कार्की का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, कहा- संसद पुनर्स्थापना संभव नहीं

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने अपनी नियुक्ति को रद्द करने और प्रतिनिधि सभा विघटन के खिलाफ दायर रिट पर सर्वोच्च अदालत में अपना जवाब प्रस्तुत किया है। अदालत को भेजे गए लिखित जवाब में उन्होंने अपनी नियुक्ति का बचाव करते हुए दावा किया कि अब प्रतिनिधि सभा की पुनर्स्थापना संभव नहीं है। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि इस संबंध में दायर सभी रिट को खारिज किया जाए। कार्की ने अपने जवाब में कहा कि जेन-जी आंदोलन के बाद राज्य में जो जटिल परिस्थिति बनी, उसे राजनीतिक रूप से संभालने की आवश्यकता थी। उनके अनुसार राज्य के सामने दो ही विकल्प थे–विघटित प्रतिनिधि सभा से नई सरकार का गठन और नागरिकों के विश्वास पर आधारित 'स्वतंत्र नागरिक सरकार' का गठन। उन्होंने कहा कि जेन-जी आंदोलन की पृष्ठभूमि में नागरिकों

ने राजनीतिक दलों और उनके नेतृत्व पर भरोसा खो दिया था, इसलिए प्रतिनिधि सभा के माध्यम से नई सरकार बनाना संभव नहीं था। कार्की ने दावा किया है कि ऐसी परिस्थिति में नागरिक सरकार का विकल्प चुनना अनिवार्य हो गया था।

09 पृष्ठ के अपने जवाब में उन्होंने दावा किया कि सरकार नागरिकों को सुशासन का अनुभव कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और प्रतिनिधि सभा चुनाव भी सुशासन के ही एजेण्डा पर केंद्रित है।

खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला, पुलिसकर्मी की मौत, तीन घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा एक बार फिर आत्मघाती हमले का शिकार हुआ है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, प्रांत के लक्की मरवत जिले में एक सुरक्षा गाड़ी को निशाना बनाया गया। धमाके में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। लक्की मरवत जिला पुलिस अधिकारियों के प्रवक्ता आसिफ हसन ने बताया कि एक आत्मघाती धमाके में ताजोरी पुलिस की गाड़ी को टारगेट किया गया। मरने वाले की पहचान हेड कांस्टेबल अलाउद्दीन के तौर पर हुई है। पाकिस्तान के मीडिया आउटलेट डॉन ने बताया कि आत्मघाती का साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस और सुरक्षा बल कर्मियों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया। पाकिस्तान में पिछले साल, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में, आतंकी गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। नवंबर 2022 में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) सरकार के साथ युद्धविराम समझौता टूट जाने के बाद से इसमें वृद्धि देखी गई है। हालिया हमलों की बात करें तो 24 नवंबर को, खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले के डोमेल में एक लिंक रोड पर हथियारबंद बंदूकधारियों ने पाकिस्तानी सिक्योरिटी फोर्स की गाड़ी को निशाना बनाया था, जिसमें एक सैनिक घायल हो गया था। एक पुलिसवाले ने बताया था कि घायल सैनिक को बन्नू छावनी के अस्पताल ले जाया गया। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक सिक्योरिटी फोर्स और पुलिस ने पूरे इलाके में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया और इस दौरान कई 'आतंकी' मारे गए और घायल हुए। दावा किया गया कि सुरक्षाकर्मियों ने मौके से फरार हो रहे हमलावरों को पकड़ने के लिए इलाके को घेर लिया था। 8 नवंबर को, खैबर पख्तूनख्वा की खार तहसील के तांगी इलाके में चेकपोस्ट पर हमला किया गया था जिसमें एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया था।

इस बीच, इस्लामाबाद के सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) ने अपनी नवीनतम सुरक्षा रिपोर्ट में बताया कि पाकिस्तान में 2025 की तीसरी तिमाही में कुल हिंसा में 46 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान पाकिस्तान में कम से कम 901 मौतें हुई और 599 लोग घायल हुए, जिनमें आम जनता, सुरक्षाकर्मी और हमलावर या अपराधी भी शामिल थे। हिंसा की कुल 329 वारदातें हुईं, जिनमें आतंकी हमले और आतंक-विरोधी अभियान भी शामिल हैं।पाकिस्तान में जनवरी और सितंबर 2024 (क्यू1-क्यू3) के बीच 1,527 मौतें हुईं। 2025 में आंकड़ा बढ़ा और 2,414 मौतों तक पहुंच गया। ये हिंसा में 58 फीसदी की बढ़ोतरी को दर्शाता है।

श्रीलंका में चक्रवात दित्वा से बड़ी तबाही, 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित, अब तक 334 की मौत

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दित्वा से बड़ी तबाही हुई है। 10 लाख अधिक लोग प्रभावित हुए है। आधिकारिक तौर पर अब तक 334 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। देश हाल के वर्षों में अपनी सबसे बुरी कुदरती आफतों में से एक से जूझ रहा है। खराब मौसम के कारण पूरा द्वीप बाढ़ से घिर गया है। भूस्खलन ने आवागमन के साधनों को लील लिया है। सीलोन टुडे की रिपोर्ट के अनुसार 30 नवंबर की शाम छह बजे आपदा प्रबंधन केंद्र ने जानकारी दी कि दित्वा से अब तक 309,607 परिवारों के 1,118,929 लोग प्रभावित हुए हैं। देशभर में मरने वालों की संख्या बढ़कर 334 हो गई है, जबकि 370 लोग अभी भी लापता हैं। दित्वा ने कैंडी जिले में सबसे ज्यादा कहर बरपाया है। अकेले इस जिले में 88 लोगों की जान गई है और 150 लोग लापता हैं। बादुला में 71 मौतें और

53 लोग लापता, नुवारा एलिया में 68 मौतें और 64 लापता और कुरुनेगला में 37 मौतें और 35 लापता बताए गए हैं। करीब 55,747 परिवारों के 196,790 लोग देश भर के 1,494 सुरक्षित केंद्रों में आश्रय लिए हुए हैं। बडुल्ला, गम्पाहा और कोलंबो में सबसे अधिक लोग बेघर हुए हैं। पुट्टलम जिले में बचाव कार्य में लगा श्रीलंका एयर फ़ोर्स का बेल 212 हेलीकॉप्टर लुनुविला में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पांच लोग घायल हो गए। कुरुनेगला के मालिसिरिपुरा डिवीजन में हुए भूस्खलन के मलबे में 200 लोगों के दबे होने की आशंका है। कुरुनेगला में सेना ने 164 लोगों को बचाया है। कोलंबो से रेस्क्यू टीम को वेलम्पिटिया और कोहिलावट्टा भेजा गया है। यहां बाढ़ में 20 लोग फंसे हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि आवागमन के सारे संसधान जमींदोज हो चुके हैं।

अधिकांश जलाशयों में क्षमता से अधिक पानी भर गया है। इसलिए उनके गेट खोल दिए गए हैं। प्रभावित इलाकों में सेना को स्थिति संभालने को भेजा गया है। मौसम विज्ञान विभाग ने आगाह किया है कि चक्रवात दित्वा अब तट से लगभग 210 किलोमीटर दूर उत्तर की ओर बढ़ रहा है। इससे आज शाम तक गाले, मटारा, मोनेरागला और नुवारा एलिया समेत कई जिलों में रुक-रुक कर बारिश होने और आंधी-तूफान आने की उम्मीद है।

जापान में तकाइची सरकार की लोकप्रियता पहुंची 75 प्रतिशत : रिपोर्ट

एजेंसी

टोक्यो। जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री सनाए तकाइची की सरकार की लोकप्रियता लगातार बढ़ते हुए नवंबर माह में 75 प्रतिशत पहुंच गयी है। निकेई बिज़नेस अख़बार और टीवी टोक्यो कॉर्पोरेशन ने प्रकाशित एक सर्वेक्षण में यह दावा किया। पिछले महीने जारी हुए सर्वेक्षण की तुलना में सरकार की 'स्वीकृति रेटिंग' एक प्रतिशत बढ़ी है, जबकि सरकार पर भरोसा न करने वाले लोगों की संख्या एक प्रतिशत घटकर 18 प्रतिशत हो गयी है। वेंक्षण के अनुसार, सरकार की प्राथमिकता महंगाई को कम करने के लिए योजनाएं बनाना है, जबकि 32 प्रतिशत का मानना है कि उसका काम आर्थिक विकास है। सर्वेक्षण में 31 प्रतिशत लोगों ने कहा कि सरकार का प्रमुख काम 'कूटनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा' है। पेंशर और 'रोज़गार एवं वेतन' को 26 प्रतिशत लोगों ने सरकार की ज़िम्मेदारी बताया। सर्वेक्षण के अनुसार, दो-तिहाई लोगों को लगता है कि तकाइची की 'ज़िम्मेदार और सक्रिय वित्तीय नीति' का जापानी अर्थव्यवस्था पर

सकारात्मक प्रभाव होगा। उल्लेखनीय है कि तकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। वह दक्षिणपंथी विचार रखती हैं और ब्रिटेन की मार्गरेट थैचर को अपना आदर्श मानती हैं। यह सर्वेक्षण 28-30 नवंबर के बीच किया गया और 18 साल से ज़्यादा की उम्र के 1,006 लोगों ने फ़ोन से इसमें हिस्सा लिया।

बांग्लादेश में गहराया राजनीतिक संकट, जमात ने आगामी आम चुनाव के स्वतंत्र और निष्पक्ष आयोजन पर जताया संदेह

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में अगले साल होने वाले चुनाव से पहले राजनीतिक गलियारे में हलचल तेज है। यूनुस की अंतरिम सरकार के आने के बाद से देश में राजनीतिक संकट गहराया हुआ है। देश के अलग-अलग हिस्सों से हिंसा और विरोध के मामले सामने आ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि अब तो यूनुस के समर्थक भी बगावत पर उतर आए हैं। दरअसल, कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी ने फरवरी 2026 के चुनाव की निष्पक्षता पर शक जताया है। राजशाही जिले में आठ इस्लामी पार्टियों की एक रैली को संबोधित करते हुए, जमात नेता मिया गुलाम पोरवार ने कहा कि सभी पार्टियां आने वाले चुनाव में हिस्सा लेने के लिए सहमत हो गई हैं। हालांकि, चुनाव की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर सवाल अभी भी बना हुआ है। खुलना कोर्ट गेट पर हुई

हत्याओं को लेकर जमात नेता पोरवार ने कहा, 'जिस देश में कोर्ट के सामने हत्याएं हो सकती हैं, वहां इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि ऐसे प्रशासन के तहत पोलिंग स्टेशनों पर वोटिंग में धांधली या हत्याएं नहीं होंगी। ' मेट्रोपॉलिटन सेशंस जज कोर्ट के बाहर दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

किसी खास पार्टी का नाम लिए बिना, जमात नेता ने कहा कि जमात की बैठकें, अभियान और सभाओं के दौरान एक समूह ने हमले, मारपीट और तोड़फोड़ किए, जिसमें महिलाओं पर भी हमले शामिल हैं।

इसके साथ ही मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए, पोरवार ने कहा, 'अगर अधिकारी ऐसे हमलों को नहीं रोक सकते, तो उनकी देखरेख में हुए चुनाव निष्पक्ष नहीं हो सकते। सबको बराबर मौका नहीं दिया गया है। कई अधिकारियों की पोस्टिंग में चुपके से हेरफेर करके प्रशासन से समझौता किया गया है, जिससे एक पार्टी को फायदा हो रहा है। ' जमात नेता ने कहा कि चुनाव से पहले, हर पार्टी को बराबर मौका मिलना चाहिए। यह जरूरी है।

इस बीच, द बिजनेस स्टैंडर्ड ने बताया कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने आरोप लगाया है कि एक राजनीतिक दल बीएनपी और देश दोनों के खिलाफ साजिश कर रही है। ढाका में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, बीएनपी स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य मिर्जा अब्बास ने जमात पर सीधे तौर पर निशाना साधते हुए कहा, 'उन्हें देश और विदेश के साथियों का समर्थन है और वे इस देश के लोगों को एक अनिश्चित भविष्य की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं। वे लोगों के साथ ही हमारी माताओं-बहनों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। '

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की लोकप्रियता बढ़कर हुई 71.1 प्रतिशत : रिपोर्ट

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्यूंग की लोकप्रियता में पिछले एक हफ्ते में 2.1 प्रतिशत का इज़ाफ़ा हुआ है। एक साप्ताहिक सर्वेक्षण में इसका दावा किया गया।सर्वेक्षण के अनुसार, श्री म्यूंग की लोकप्रियता पिछले सप्ताह के 71.1 प्रतिशत से बढ़कर 73.2 प्रतिशत हो गयी है। दूसरी ओर, सरकारी मामलों में ली के काम के बारे में नकारात्मक विचार 1.9 प्रतिशत घटकर 27.9 प्रतिशत हो गये हैं। जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन 1.6 प्रतिशत बढ़कर 56.2 प्रतिशत हो गया, जबकि विपक्ष में बैठी दक्षिणपंथी पीपल पावर पार्टी का 'स्वीकृति स्कोर' 4.5 प्रतिशत अंक घटकर 24.5 प्रतिशत ही रह गया।

इस बीच, वामपंथ की ओर झुकाव रखने वाली रिबिल्डिंग कोरिया

पार्टी और दक्षिणपंथ की ओर झुकाव रखने वाली न्यू रिफॉर्म पार्टी का समर्थन 2.8 प्रतिशत रहा। ये आंकड़े स्थानीय सर्वेक्षण संस्थान 'फ्लावर रिसर्च' के कंप्यूटर-संचालित टेलीफोन इंटरव्यू के ज़रिए इकट्ठा किये गये। फ्लावर रिसर्च के एक अन्य 'स्वचालित प्रतिक्रिया प्रणाली' सर्वेक्षण में यह सामने आया कि श्री म्यूंग की लोकप्रियता दो हफ्ते पहले की तुलना में पिछले हफ्ते 0.2 प्रतिशत घटी थी। दोनों सर्वेक्षणों में शुक्रवार से शनिवार के बीच क्रमशः 1,002 और 1,007 लोगों की राय ली गयी।

रूस ने काला सागर में तेल टैंकरों और बंदरगाह पर यूक्रेन के हमलों की निंदा की

एजेंसी

मास्को। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने काला सागर में दो तेल टैंकरों और एक बंदरगाह पर हाल ही में हुए यूक्रेनी हमलों की निंदा की। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार श्रीमती ज़खारोवा ने कहा कि गाम्बिया के झंडे

तले रूसी बंदरगाह नोवोरोस्सियस्क जा रहे दो टैंकरों पर शुक्रवार और शनिवार को हमले में मानवरहित नावों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी खुफिया सेवाओं ने इन हमलों की ज़िम्मेदारी ली है। प्रवक्ता ने कहा, 'हमें इस बात पर ज़ोर देना चाहिए कि लक्षित नागरिक ऊर्जा अवसंरचना वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और इस पर कभी भी कोई अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।' उन्होंने आगे कहा कि इन हमलों ने इस महत्वपूर्ण जलमार्ग में नौवहन की सुरक्षा को ख़तरे में डाल दिया है। श्रीमती ज़खारोवा ने कहा कि रूस अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से इन हमलों की निंदा करने और विनाशकारी कार्रवाइयों का उचित मूल्यांकन करने का भी आह्वान करता है।

हांगकांग त्रासदी: 13 संदिग्ध गिरफ्तार, मृतकों की संख्या 150 के पार

एजेंसी

हांगकांग । हांगकांग के ताइपो इलाके में वांग फुक कोर्ट परिसर में लगी भीषण आग में मरने वालों के संख्या बढ़कर 151 हो गई है। इसे शहर के इतिहास की सबसे भयावह त्रासदी माना जा रहा है। लापरवाही और सुरक्षा मानकों में चूक का जिम्मेदार मानते हुए 13 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। द स्टैंडर्ड डॉट एचके ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि सोमवार शाम 4 बजे तक (स्थानीय समयानुसार), करीब 30 लोग अब भी लापता हैं। तलाशी अभियान जारी है, और उम्मीद है कि वे अगले तीन हफ्तों में ऑपरेशन पूरा कर लेंगे।

अधिकारियों ने माना कि अग्निकांड की वजह फायर सेफ्टी नियमों का उल्लंघन रहा। 26 नवंबर को लगी इस आग में सात इमारतें जलकर खाक हो गई थीं। आग पर पूरी तरह से काबू पाने में तकरीबन दो दिन लगे थे। हांगकांग फ्री प्रेस के मुताबिक हांगकांग के अधिकारियों ने कहा कि इस हादसे में 151 लोगों की जान चली गई। अपनी जांच में हमने पाया कि मरम्मत का काम चल रहा था। इस दौरान इस्तेमाल किए गए मचान को ढकने वाली कुछ जालियां फायर-सेफ्टी कोड के हिसाब से नहीं थीं।

खिड़कियों को भी प्लास्टिक शीट से ढका गया था। मजदूरी विभाग ने बताया कि लोगों ने करीब एक साल से सुरक्षा की शिकायतें कर रखी थीं। जुलाई 2024 से 16 बार निरीक्षण हुए थे और ठेकेदार को कई बार लिखित चेतावनी दी गई थी; आखिरी निरीक्षण हादसे से सिर्फ एक

हफ्ते पहले हुआ था। मुख्य सचिव एरिक चैन ने कहा कि टेस्ट से यह स्पष्ट हो गया है कि वांग फुक कोर्ट से लिए गए सात जाल मानकों के अनुरूप नहीं थे और माना जा रहा है कि ठेकेदार ने जानबूझकर घटिया सामग्री के इस्तेमाल की बात निरीक्षक से छिपाई थी।

चान, जो ताई पो में लगी जानलेवा आग की जांच कर रहे वर्किंग ग्रुप के चेयरमैन हैं, ने कहा कि जांच करने वालों ने पिछले कुछ दिनों में ताई पो में चार इमारतों से 20 सैंपल इकट्ठा किए थे। उन्होंने कहा कि नेट को जानबूझकर ऐसी जगहों पर लगाया गया था जहां सिर्फ फायरफाइटर ही पहुंच सकते थे।

चान ने कहा, 'जांच अधिकारियों ने पाया कि वांग ताई हाउस, वांग ताओ हाउस, वांग यान हाउस और वांग ची हाउस से लिए गए कुल सात सैंपल आग बुझाने वाले मानकों को पूरा नहीं करते थे। सैंपल ब्लॉक के ऊपरी, निचले और बीच के फ्लोर पर अलग-अलग जगहों से लिए गए थे। '

44 से 77 साल के तेरह लोगों को गैर-इरादतन हत्या के शक में गिरफ्तार किया गया है। आईसीएसी कमिश्नर डैनी वू ने कहा कि 13 में से 12 को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ संदिग्धों ने शुरू में बड़ी मात्रा में घटिया नेटिंग खरीदी और बाद में अच्छी क्वालिटी की जाली कम मात्रा में खरीदी थी।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/3/2025 12:02 AM Page 2

पालक अत्यंत पौष्टिक हरी पत्तेदार सब्जी

ठंड का मौसम आ गया है और हर किसी को पालक-मेथी की सब्जी खाने का इंतजार है। जिन लोगों को हरी सब्जियों को खाने का शौक है, वह तो ठंड के मौसम का इंतजार बेसब्री से करते हैं। भारत में हरी सब्जियों अधिक मात्रा में उगाई जाती है।

सितंबर और October के मौसम में तो खेतों में पालक, मेथी, धनिया जैसे पौधों की भरमार लग जाती हैं। क्योंकि यह मौसम इस सब्जियों के लिए अनुकूल होता है। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि इस बार के ठंड के मौसम में आपको ताजी सब्जियां खाने का मौका मिले, तो यह आर्टिकल आपके काम का है। क्योंकि आप घर पर ही गमले में पालक का पौधा उगा सकते हैं। इसके लिए आपको खाद की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

पालक एक अत्यंत पौष्टिक हरी पत्तेदार सब्जी है। यह मानव स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, जिसमें इम्युनिटी स्ट्रांग करने वाले सभी प्रकार के विटामिन और खनिज होते हैं। पालक को घर पर गमले या ग्रो बैग में आसानी से उगाया जा सकता है। इस लेख में आप घर पर गमले में पालक कैसे लगाएं, पालक के बीज लगाने की विधि क्या है तथा पालक के पौधों की देखभाल कैसे करें, साथ ही आप पालक को ग्रो करने से लेकर हार्वेस्टिंग करने तक की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानेगें।

पालक उगाने का सही समय या मौसम

आप अपने गार्डन में पालक को गर्मी (फरवरी-अप्रैल) और सर्दी (सितंबर-अक्टूबर) दोनों ही मौसमों में ग्रो कर सकते हैं।

गर्मियों की शुरूआत में आप पालक को फरवरी के मध्य से अप्रैल तक ग्रो कर सकते हैं।

सर्दियों की शुरूआत में आप पालक को सितंबर-अक्टूबर में लगा सकते हैं।

अधिक ठंड में इसके बीज सही तरीके से अंकुरित नहीं हो पाते हैं। इसके अलावा अत्यधिक गर्मी है, तो पालक के बीज अंकुरित तो होते हैं, लेकिन पालक ठीक से विकसित नहीं होती है। पालक लगाने का बेस्ट समय शुरूआती सर्दी को माना जाता है।

पालक को ठंडे क्षेत्रों में उगाने के लिए पर्याप्त धूप की आवश्यकता होती है, तथा गर्म क्षेत्रों में पालक को उगाने के लिए आंशिक छाया की आवश्यकता होती है।

घर में ही हरा पालक अगर आपको खाना है, तो आपको इसे छोटे गमले में नहीं लगाना चाहिए। पालक को उगाने के लिए आपको एक बड़ी जगह जरूरत होती है। इसलिए आप इसे बड़े प्लास्टिक के डिब्बे में उगाएं। अगर आप इसे बड़े प्लास्टिक के डिब्बे में लगाते हैं, तो एक बार में आप को ढेर सारी पालक की सब्जी खाने को मिलेगी।

यदि आप गमले में पालक लगाना चाहते हैं, तो सर्वप्रथम इसे लगाने के लिए उचित साइज़ के ग्रो बैग या गमले का चुनाव करना आवश्यक होता है। पालक की जड़ें मिट्टी में न तो ज्यादा गहरी जाती हैं और न ही ज्यादा फैलती हैं। पालक लगाने के लिए, गहरे कंटेनर की आवश्यकता नहीं होती है। ग्रो बैग या गमले की चौड़ाई, इसकी गहराई की तुलना में अधिक होना चाहिए। पालक लगाने के लिए ग्रो बैग की ऊंचाई 6 से 8 इंच तक हो सकती है। पालक लगाने के लिए 18 × 6 इंच (W× ll), 18 ङ्क 9 इंच (W× ll), 24 × 6 इंच (W× ll) और 24 × 9 इंच (W× ll) साइज़ के ग्रो बैग बेस्ट होते हैं।

पालक उगाने के लिए गमले की मिट्टी कैसे तैयार करें

गार्डनिंग में पौधों की अच्छी उपज के लिए मिट्टी का एक बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान होता है। पालक की अच्छी उपज के लिए उच्च गुणवत्ता वाली मिट्टी का मिश्रण तैयार करना होगा। पालक उगाने के लिए गमले की मिट्टी निम्न तरीके से तैयार की जा सकती है।

50% सामान्य बगीचे की मिट्टी में 40% गोबर खाद तथा वर्मीकम्पोस्ट और 10% रेत को मिलाये। मिट्टी में रेत और खाद मिलाने से बीज तेजी से अंकुरित होते हैं और रेत मिट्टी को सख्त होने से रोकती है। इसके बाद इस मिश्रण को अच्छी तरह मिलाकर 3 दिन के लिए छाया और हवादार क्षेत्र में रख दें। 3 दिनों के बाद आप वैकल्पिक रूप में मिट्टी के मिश्रण में आवश्यकतानुसार नीम खली मिला सकते हैं।

इसके बाद मिट्टी और खाद के इस मिश्रण को ग्रो बैग या गमले में भरकर पालक को ग्रो करने के लिए तैयार कर सकते हैं।

ध्यान रखें कि पालक का पौधा कठोर मिट्टी में नहीं उग सकता। इसलिए पालक उगाने वाली मिट्टी में दो से तीन दिनों तक पानी डालते रहे।

फिर जब आपको लगे की मिट्टी अब सख्त नहीं है, तो इसमें बीज मिलाकर गमले के हिसाब से इसमें पानी डालें।

इसके बाद आप इसमें समय-समय पर पानी डालते रहे। लेकिन ध्यान रखें कि ओवरवॉटरिंग से बचें।

पालक को उगाने के लिए आपको किसी प्रकार के खाद की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप बिना खाद के भी पालक घर में उगा सकते हैं।

अगर आप मार्केट से खाद नहीं खरीदना चाहते हैं, तो आप घर पर ही लिक्विड फर्टिलाइजर बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले आप चुकंदर के छिलके उतार लें और इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

फिर चुकंदर को आप एक पैन में डालें और फिर इसमें नमक और पानी डालकर अच्छी तरह से पका लें। जब इसमें एक उबाल आ जाए, तो आप गैस बंद कर दें और इसे ठंडा होने के लिए रख दें। इसे आप प्लांट में डाल सकते हैं। पालक के बीज को अच्छी और पूर्ण तरह से अंकुरित होने के लिए 15एष्ट से 25एष्ट के बीच तापमान की आवश्यकता होती है। यदि मिट्टी का तापमान 32°C से अधिक होता है, तो पालक के बीज पूर्ण रूप से अंकुरित नहीं हो पाते हैं।

गमले या ग्रो बैग में पालक के बीज की बुआई एक निश्चित गहराई (लगभग 0.5 से 1 इंच) और दूरी पर की जानी चाहिए, क्योंकि अधिक गहराई पर लगाये गए पालक के बीज ठीक तरह से अंकुरित नहीं हो पाते हैं।

बीज अंकुरित होने के बाद पालक को अच्छी तरह से ग्रो करने के लिए रोजाना 4 से 6 घंटे की धूप आवश्यक होती है, लेकिन तापमान बहुत अधिक नहीं होना चाहिए।

उच्च गुणवत्ता वाली पालक को प्राप्त करने के लिए अच्छी क्वालिटी के बीज की बुआई की जानी चाहिए।

गमले में पालक के बीज कैसे लगाएं

पालक को डायरेक्ट मेथड से लगाया जाता है, इसके लिए आपको पौधे तैयार करने की जरूरत नहीं होती है। पालक के बीजों को गमले की मिट्टी में लगाने के लिए निम्न स्टेप को फॉलो करें:-

पालक लगाने के लिए उचित साइज़ के गमले या ग्रो बैग का चयन करें और यह सुनिश्चित करें कि, गमले की तली में कम से कम 3 ड्रेनेज होल अवश्य हों।

अब ग्रो बैग में मिट्टी भरें, लेकिन ग्रो बैग को ऊपर से लगभग 2 से 3 इंच खाली रखें।

इसके बाद पालक के बीजों को गमले की मिट्टी में 0.5 से 1 इंच की गहराई में लगाएं, इसके अलावा पालक के बीजों को एक दूसरे से लगभग 2 से 3 इंच की दूरी पर लगाएं।

अब गमले की मिट्टी को अच्छी तरह से पानी से भिगोएं। पानी देने के लिए स्प्रे बोटल का उपयोग करें। पालक की बुआई के बाद मिट्टी की परत पर हमेशा नमी बनाए रखें, लेकिन ओवर वाटरिंग से बचें।

गमले या ग्रो बैग को उस स्थान पर रखें, जहाँ पालक को रोजाना 4 से 6 घंटे की धूप मिल सके, लेकिन तापमान बहुत अधिक नहीं होना चाहिए। आप पालक के गमले को सीधे धूप में न रखकर, पर्याप्त प्रकाश और गर्म स्थान पर भी रख सकते हैं।

लगभग 4 से 14 दिनों के भीतर पालक के बीज अंकुरित हो जाते हैं। बीज अंकुरित होने तक गमले को सीधे धूप के संपर्क में न रखें तथा मिट्टी को नियमित पानी देते रहें।

क्या एक बार पत्तियां तोड़ने के बाद फिर से बीज डालना होगा?

अगर आपके गमले में पालक उग जाती है और आप इसकी पत्तियों को तोड़ चुके हैं तो आपको फिर से बीज डालने की जरूरत नहीं है। आप एक बार डाले गए बीज से 7 से 10 दिन बाद फिर से पालक खा सकते हैं।

क्योंकि फिर से गमले में पत्तियां उग आएंगी। लेकिन आपको इसमें समय-समय पर पानी देने होगा।

पालक को प्रभावित करने वाले कीट

गार्डन या गमले में लगे पालक के पौधों पर विभिन्न प्रकार के कीट जैसे एफिड्स फ्ली बीटल , लीफ माइनर स्लग और स्पाइडर माइट्स हमला कर पौधे को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

गमले में लगी पालक पर एफिड्स दिखाई देने पर इसे पानी की मजबूत धार के साथ हटा दें, इसके अलावा अत्यधिक प्रभावित पत्तों को हांथों की मदद से अलग करें।

लीफ माइनर्स टनलिंग से प्रभावित पत्तियों को हटा दें।

फ्ली बीटल और स्पाइडर माइट्स के प्रकोप को रोकने के लिए पालक के पौधों को जैविक कीटनाशक जैसे- नीम तेल का स्प्रे करें।पालक को प्रभावित करने वाले रोग

गमलों में लगी पालक अधिकांशत: फफूंदी , रस्ट और मोज़ेक वायरस के लिए अतिसंवेदनशील होती है।

फफूंदी और रस्ट, पौधों को प्रभावित करने वाले कवक रोग हैं।

मोज़ेक वायरस से प्रभावित पौधों को हटा दें या उखाड़कर नष्ट कर दें। मोज़ेक वायरस के कारण पत्तियां धब्बेदार या पत्तियों पर सफेद या पीली धारियाँ उत्पन्न हो जाती हैं।

रोगग्रस्त पौधों को अपने गार्डन से हटाकर नष्ट कर दें, अन्यथा यह रोग आपके गार्डन के अन्य स्वस्थ पौधों को भी प्रभावित कर सकते हैं।

पहली बार पालक हार्वेस्ट करने का समय लगभग 30 से 40 दिन का होता है। बुआई से लगभग 40 से 45 दिनों के बाद आप अपने घर पर गमले में उगाई गई आर्गेनिक पालक की कटाई कर सकते हैं। आप 3 से 4 बार पालक के पत्तों को सब्जी के रूप में हार्वेस्ट कर सकते हैं।अर्थात हार्वेस्टिंग के कुछ दिनों बाद पालक फिर से उग आएगी और इसकी फिर से हार्वेस्टिंग की जा सकती है। इसलिए हार्वेस्टिंग करते समय इस बात का ध्यान रखें कि पौधे और उसकी जड़ों को कोई नुकसान न पहुंचे।

गमले में मेथी की खेती

हर भारतीय को मेथी की भाजी खाना पसंद होता है। खासतौर से सर्दियों में जगह-जगह आपको मेथी के पत्ते बिकते दिख जाएंगे। भले ही वह मसाले के तौर पर हो या फिर सब्जी के रूप में, यह सभी की पसंदीदा होती है। कुछ लोगों को तो मेथी खाने का इतना शौक होता है, कि वह अपने किचन गार्डन में मेथी लगा लेते हैं, ताकि उन्हें अच्छी मात्रा में पौष्टिकता से भरपूर आर्गेनिक मेथी के पत्ते खाने को मिल सकें। अगर आप भी अपने होम गार्डन में मेथी उगाने की सोच रहे हैं और आपके पास जगह ज्यादा नहीं है, तो बेहतर है कि आप इसे गमलों या पॉट में लगा लें।

बता दें कि मेथी सालभर उगाये जाने वाला हर्बल पौधा है। ताजी मेथी के पत्ते मुख्य रूप से भारतीय व्यंजनों में खाना पकाने के लिए उपयोग किए जाते हैं। सूखी मेथी के पत्तों को कसूरी मेथी के रूप में जाना जाता है। बहुत कम लोगों को पता है कि भारत मेथी का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। साग और मेथी के पौधे दोनों के ही कई स्वास्थ्य लाभ हैं। इस लेख में आप घर पर गमले में मेथी कैसे लगाएं, मेथी के बीज लगाने की विधि क्या है तथा इसके पौधों की देखभाल कैसे करें, के बारे में जानेंगे।

गमले में मेथी की खेती

हरी मेथी पत्ता सब्जी को गमले में तैयार करने के लिए लगभग 30 से 45 दिन का समय लगता है और इसे ज्यादा देखभाल की जरूरत भी नहीं पड़ती है। पत्तेदार सब्जियों को अन्य सब्जियों वाले पौधों की तुलना में उगाना बहुत आसान होता है। यदि आप इसे बीज से उगाते हैं, तो आपको अच्छी गुणवत्ता वाली मिट्टी और अच्छे वातावरण के साथ पानी की जरूरत होती है। मेथी के पौधे सर्दी के मौसम में अच्छी तरह से ग्रो होते हैं। इस मौसम में उगाने से मेथी का पौधा 60 सेमी ऊंचाई तक बढ़ सकता है। इसके पत्ते त्रिकोणीय होते हैं, जिन्हें ट्रिगोनल कहा जाता है। अगर आप इसकी पत्तियां नहीं तोड़ते, तो इस पौधे में पीले फूल भी खिलते हैं, जो बाद में मेथी के बीज प्रदान करते हैं।

गमले में मेथी उगाने के लिए आपको एक उपजाऊ और जल निकासी वाली मिट्टी (जिसका पीएच लेवल 6-7 के आसपास हो) की जरूरत पड़ेगी। जिस जगह पर आप मेथी के गमले या कंटेनर रख रहे हैं, वहां रोज कम से कम 4 से 6 घंटे सूर्य की रोशनी आनी चाहिए। मेथी के पौधों को नियमित अंतराल पर पानी देने की जरूरत होती है, अत: पानी देने के लिए स्प्रे बोतल का उपयोग बेहद जरूरी है। जब गमले की ऊपरी मिट्टी ड्राई हो, तब आपको स्प्रे बोतल से पानी देना है।

गार्डन में मेथी उगाने का सही समय और मौसम

विशेषज्ञों की मानें तो मेथी गर्म लीफी वेजिटेबल है और आप इसे गमले या ग्रो बैग की मिट्टी में फरवरी से मई व सितंबर से नवंबर के महीने में लगा सकते हैं, जब तापमान 10-30 डिग्री सेल्सियस के बीच हो।

मेथी का पत्ता अत्यधिक धूप के बजाय आंशिक छाया में अच्छी तरह ग्रो करता है, इसलिए एक ऐसी जगह का चयन करें, जिसमें नमी और गर्माहट हो। वैसे अगर आपके पास गार्डन नहीं है, तो इसके पौधे इंडोर में अच्छी तरह से विकसित हो सकते हैं। सबसे अच्छा है, इन्हें खिड़की के पास रख दें, ताकि इन्हें अच्छी रोशनी मिल सके।

चूंकि मेथी एक गर्म फसल है, इसलिए यह गर्म जलवायु ही पसंद करती है। इसे उगने के लिए मिट्टी का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से 30 डिग्री सेल्सियाय तक होना चाहिए। यदि आप बीज की मदद से मेथी उगाने की योजना बना रहे हैं, तो बसंत ऋतु (मार्च-अप्रैल का महीना) अंकुरण के लिए बहुत अच्छा मौसम है। लेकिन अगर आप मेथी को हरी सब्जी या जड़ी-बूटी के रूप में उपयोग करने के लिए उगा रहे हैं, तो आप शरद ऋतु अर्थात सितम्बर से दिसम्बर के बीच कभी भी इसके बीज की बुआई कर सकते हैं।

मेथी पत्तों को उगाने के लिए गमलों की मिट्टी तैयार कैसे करें

मेथी न्यूट्रल मिट्टी के बजाय थोड़ी एसिडिक मिट्टी में अच्छी तरह से ग्रो करती है। यदि आप इसे उगाने के लिए गार्डन की मिट्टी का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो इसकी जल निकासी क्षमता बढ़ाने के लिए बेहतर होगा कि गार्डन की मिट्टी में कुछ मात्रा रेत की मिला लें। बहुत सारी जैविक सामग्री जैसे अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद या वर्मीकम्पोस्ट को मिलाकर मिट्टी को उपजाऊ बना सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि नार्मल गार्डन मिट्टी के बजाय अच्छी क्वालिटी वाली पॉटिंग मिट्टी का उपयोग करना बेहतर होता है।

घर पर मेथी उगाने के लिए कौन सा ग्रो बैग बेस्ट है

ध्यान रखें मेथी के पत्तों को उगाने के लिए बड़े साइज के कंटेनर या ग्रो बैग की जरूरत पड़ती है। ऐसा इसलिए क्योंकि मेथी के पौधे बहुत तेजी से बढ़ते हैं और इनमें से ज्यादातर अपने आप ही बढ़ते हैं। इसलिए मेथी लगाने के लिए कभी भी छोटे पॉट या ग्रो बैग का उपयोग न करें। मेथी उगाने के लिए 18 ङ्क 6 इंच, 24 X 6 इंच, 24 X 9 इंच और 18 ङ्क 9 इंच (W× ll), साइज़ के ग्रो बैग का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिसमें ग्रो बैग की गहराई कम से कम 6 से 9 इंच और चौड़ाई 18 से 24 इंच तक होना जरूरी है। इसके अलावा ध्यान रखें कि,कंटेनर में कम से कम 3 ड्रेनेज होल होने चाहिए।

पहले से इस्तेमाल किये गए ग्रो बैग को सबसे पहले गर्म पानी से धोकर बैक्टीरिया फ्री करें।

उपयोग करने से पहले हो सके, तो कंटेनर की निचली परत पर बजरी या फिर सूखे पत्ते डालें।

ग्रो बैग या गमले में मेथी उगाने के लिए बीजों को सीधे 0.5 इंच की गहराई में बोएं। ध्यान रखें कि, दो पौधों की बीच की दूरी 2 से 3 इंच हो और प्रत्येक रो (कतार) के बीच की दूरी लगभग 5 से 6 इंच होनी चाहिए।

घर पर मेथी तैयार करने की स्टेप्स

सबसे पहले अच्छी क्वालिटी वाले मेथी के बीज खरीदें।

मेथी के बीज बोने से पहले आप इन्हें भिगोकर कांच के गिलास या गीले कपड़े में रातभर के लिए रख दें। बीजों को भिगोकर रातभर रखने से बीजों का अंकुरण तेज हो जाता है।

अब कंटेनर या ग्रो बैग को कंपोस्ट और सड़ी हुई खाद से भरपूर तैयार की गई पॉटिंग मिट्टी से भर दें। मिट्टी भरते समय ग्रो बैग या गमले को ऊपर से कम से कम 2 से 3 इंच तक खाली रखें।

अब गमले की मिट्टी की सतह पर बीज डालें। अब बीजों को 0.5 इंच तक गमले की मिट्टी से ढक दें। ध्यान रखें, बीजों को बहुत ज्यादा गहराई तक नहीं गाड़ें और बीजों को पर्याप्त हवा और प्रकाश मिलता रहे।

बीजों को अंकुरित करने के लिए आपको बीजारोपण के बाद नियमित अंतराल में पानी देने की जरूरत होती है।

गमलों में मेथी उगाने के लिए पानी की जरूरत

मेथी के बीजों की बुआई करने के बाद मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाये रखें, लेकिन ज्यादा पानी न डालें। मेथी के बीजों को अच्छी तरह से अंकुरित होने के लिए पर्याप्त पानी की जरूरत होती है, इसलिए पॉटिंग मिट्टी में नमी बनाए रखें।

नमी के स्तर की लगातार जांच करते रहें। अगर आपको लगता है कि, मिट्टी की ऊपरी परत सूखी है, तो पौधों को पानी दें। और यदि मिट्टी गीली है, तो बेवजह पानी देने की जरूरत नहीं है।

गर्म और शुष्क मौसम में मेथी के पौधे को दिन में 2 बार पानी देना चाहिए।

यदि मिट्टी को ज्यादा समय तक सूखा रखा जाए, तो पौधे मर जाएंगे। याद रखें, ज्यादा पानी या कम पानी देने से मेथी की पत्तियां कड़वी हो सकती हैं।

पौधे के स्वस्थ विकास के लिए मिट्टी की सतह को कंपोस्ट खाद से तैयार करना चाहिए। हर 10 दिन में थोड़ी मात्रा में वर्मी कम्पोस्ट गमले में डालते रहना चाहिए। ऐसा करने से पौधे की ग्रोथ अच्छी होगी।

घर पर मेथी उगाने के लिए धूप की जरूरत

मेथी के पौधे को अच्छी तरह से ग्रो करने के लिए प्रतिदिन कम से कम 4 से 6 घंटे की धूप आवश्यक होती है।

भरी गर्मी में तेज धूप से पौधों को नुकसान होता है, इसलिए तेज गर्मी के दौरान पॉट या कंटेनर को घर के अंदर रखें या शेड वाली जगह में रखें।

यदि घर के भीतर पौधा उगा रहे हैं, तो इसे ऐसी जगह रखें, जहां पर्याप्त सूर्य की रोशनी आती हो।

बता दें कि मेथी के पौधे कीट और बीमारियों से बहुत कम प्रभावित होते हैं। इन पौधों पर अटैक करने वाले आम कीट एफिड हैं। मेथी के पौधों में बीमारियों को फैलने से बचाने के लिए नीम तेल का स्प्रे करना बढ़िया विकल्प है। अन्य तरह की समस्याओं से पौधे की रक्षा करने के लिए नियमित रूप से ऑर्गेनिक पेस्टीसाइड्स का उपयोग करें और पौधे को पानी दें।

मेथी के पत्तों की कटाई कब से शुरू करें

बुआई से 30 से 45 दिन के बाद मेथी के पौधे की हार्वेस्टिंग की जा सकती है। जब भी आपको जरूरत हो, मेथी के पत्तों को पौधों से तोड़ सकते हैं। नियमित मेथी के पत्तों की तुड़ाई नई पत्तियों के विकास को प्रोत्साहित करेंगी।

मेथी के बीज कैसे निकालें

फूल खिलने के बाद मेथी के पौधे बीज फली पैदा करते हैं। अत: बीजों की कटाई के लिए मेथी के पौधों को तब तक पानी और खाद दें, जब तक की वह सूख न जाएं। बीज निकालने के लिए इन बीजों की फलियों को एकत्रित करके सुखा लें। इन फलियों से मेथी के बीज को निकाल लें। मेथी के इन बीजों को एक एयरटाइट कंटेनर में भरकर एक सूखी, अंधेरी जगह पर स्टोर करके सुरक्षित रखें।

मेथी के पत्तों को स्टोर करने की विधि

यदि आप मेथी के पत्तों को स्टोर कर-के रखना चाहते हैं, तो मेथी के पौधों से हरी पत्तियों की कटाई करें।

कटाई के बाद पत्तियों को धोने की गलती न करें, क्योंकि पत्तियों में मौजूद नमी, भाप बनने के कारण सड़न का कारण बनेगी।

अब इन ताजी मेथी की पत्तियों को मोटा-मोटा काट लें और एल्यूमिनियम फॉइल में लपेटकर पैकेट्स बना लें।

इन पैकेट्स को जिपलॉक बैग में डालकर फ्रीज कर दें।

उपयोग के लिए बस एक पैकेट निकाल लें और उसे खोलकर धो लें और इस्तेमाल करें।

औषधीय मेथी के बीज को घर में अंकुरित करना कोई कठिन प्रक्रिया नहीं है, यह बहुत ही आसान है। बस एक गिलास में साफ पानी भरें और इसमें मेथी के बीज डाल दें। 2 से 3 मिनिट बाद पानी निथार कर बीज को मलमल के कपड़े से ढककर रख दीजिए। कपड़े या टिसू पेपर में हल्की नमी बनायें रखें। ऐसा करने पर 2 से 3 दिनों में बीज अंकुरित होने लगेंगे।